RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 कृति सेनन ने बॉलीवुड का...

वर्ष : 26 अंक : 247 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 28 अगस्त, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

डबल इंजन की सरकार में युवाओं को मिल रही है नौकरियां : योगी

कानपुर में 751 करोड़ की 442 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कानपुर नगर में युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति-पत्र बांटे तथा कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं।

सीसामऊ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज कानपुर पहुंचे हैं। जीआईसी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बटन दबाकर 751 करोड़ की 442 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले रोजगार मेले के युवाओं से मुलाकात की। इसके बाद परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। रोजगार पाने वाले युवाओं को उन्होंने प्रमाण-पत्र बांटें। सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कानपुरवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं कि उन्होंने शहर के दो सांसदों को चुनकर भेजा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज 50 कंपनी के द्वारा 1000 हजार से अधिक युवाओं को नौकरी दी गई है। साथ ही, युवाओं को टैबलेट वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आ रहा था, तो मैंने एक इमारत देखी। साथ मे बैठे मंत्री से पूछा ये इमारत किसकी है, तो मंत्री ने कहा ये लाल इमली है।

यह इमारत पुरानी सरकारों के कारण बंद हो गई। आज मैं यही कहने आया हूं कि ये लाल इमली को शुरू करने के लिए बड़ा पैकेज दिया जाएगा, इसे मैं कानपुर को लौटाऊंगा। यहां एक सपा का नेता लोगों को आग में झोंकने का काम करता है। ये है सपा सरकार, यहां पर सपा की गुंडागर्दी अपने देखी है। आज सीसामऊ को उपचुनाव का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जब देश के राष्ट्रपति कानपुर में थे, तब यहां का विधायक दंगे की साजिश रच रहा था। आज वो अपने कर्मों की सजा भोग रहा है। आप लोगों ने सुना होगा कन्नौज का नवाब कांड, जिसने एक बेटी की इज्जत के साथ खेलने का काम किया है। इसे भाजपा सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों ने कानपुर के औद्योगिक विकास का पहिया रोक दिया। पहले की सरकारों ने युवाओं का रोजगार छीना है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

रात भर की बारिश ने सुबह खड़ी की मुसीबत

दिल्ली-एनसीआर में कई जगह जलभराव

दिल्ली/नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में देर रात से झमाझम बारिश से नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, ग्रेटर नोएडा समेत एनसीआर के अधिकतर इलाकों में सड़कों पर जलभराव की स्थिति देखने को मिल रही है। दिल्ली-एनसीआर के तमाम इलाकों से भारी जलभराव की तस्वीरें सामने आ रही हैं। जिससे सड़कों पर गाड़ियों की रफ्तार सुस्त होने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में कई स्थानों पर पेड़ भी गिर गए हैं।

सड़कों पर जगह-जगह जाम के बीच दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी करके जलमग्न रास्तों से बचने की सलाह दी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपने आधिकारिक हैंडल के जरिए जलभराव के कारण प्रभावित सड़क यातायात और रूट डायवर्ट की जानकारी दी है।

दिल्ली व एनसीआर में देर रात से बारिश हो रही है। बारिश के कारण बृहस्पतिवार सुबह कई स्थानों पर जलभराव हो गया। जलभराव की वजह से कामकाजी लोगों को सुबह-सुबह दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के महरौली से बदरपुर रोड और सफदरगंज इन्क्लेव में सड़कों पर भारी जलभराव है। दिल्ली में सफरदरजंग क्षेत्र (शेष पृष्ठ-3 पर)

पढ़ाई में नुकसान पर परिजनों ने छीना मोबाइल, छात्र ने दी जान

मानसिक तनाव में युवती ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्ध नगर में एक युवती समेत दो लोगों ने आत्महत्या कर ली है। वहीं विभिन्न जगहों पर रहने वाले चार लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

पुलिस ने बताया कि थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में रहने वाली कुमारी पूजा पुत्री शिवराम (22 वर्ष) ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना फेस-2 क्षेत्र के भंगेल गांव में रहने वाले अभिषेक पुत्र दिनेश (16 वर्ष) ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर देर रात को पंखे से फंदा लगा लिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक के परिजनों ने पढ़ाई का नुकसान होने की वजह से उससे उसका मोबाइल फोन छीन लिया था। इस बात से आक्रोशित होकर उसने आत्महत्या की है। वहीं थाना दादरी क्षेत्र में रहने वाले राजू (37 वर्ष), थाना कासना क्षेत्र में रहने (शेष पृष्ठ-3 पर)

हेड कांस्टेबल को पुलिस लाइन में सांप ने डसा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध नगर की पुलिस लाइन में तैनात एक हेड कांस्टेबल को सांप ने डस लिया। गंभीर हालत में हेड कांस्टेबल को उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन में तैनात हेड कांस्टेबल सुंदर पाल (45 वर्ष) को बुधवार को पुलिस लाइन में ड्युटी के दौरान काले नाग ने डस लिया। उनकी बिगड़ती हालत को देखकर पुलिस लाइन में तैनात कर्मचारियों ने उन्हें उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, वहां पर उनका उपचार चल रहा है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

बताया जाता है कि पुलिस लाइन में आए दिन सांप घुस जाते हैं तथा वहां रहने वाले लोगों को काट लेते हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

प्राधिकरण की जमीन पर अवैध निर्माण

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 113 में नोएडा प्राधिकरण के सहायक संबंधक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ लोग सोरखा गांव स्थित प्राधिकरण की अधिग्रहित और कब्जा प्राप्त जमीन पर अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को नोएडा विकास प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक विनीत कुमार शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है की सोरखा गांव के खसरा नंबर-204 नोएडा प्राधिकरण द्वारा (शेष पृष्ठ-3 पर)

हिंडन के डूब क्षेत्र में काट रहे हैं कालोनी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 में नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ लोग हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनी काट रहे हैं। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी मनोज कुमार ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से प्लाट काट रहे हैं। ये लोग सीधे-साधे लोगों को अपने जाल में फंसा कर प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित क्षेत्र में उन्हें जमीन बेच रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने लायक राम उर्फ महेंद्र, सचिन कुमार, दीवेश, राजेंद्र कुमार, मृत्युंजय सिंह, रंग बहादुर सिंह, जय बहादुर सिंह, राज बहादुर सिंह, शिव बहादुर सिंह, विजय कुमार, श्रीमती आराधना ,आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार राज्यों में एटीएम चुराकर लाखों कमाये

ग्रेटर नोएडा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। देश के चार राज्यों में एटीएम बूथ से एटीएम कार्ड चुराकर पैसा निकालने वाले इंटरस्टेट गिरोह के चार बदमाशों को थाना बिसरख पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। गिरोह ने उत्तर प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश में एटीएम कार्ड चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना बिसरख पुलिस द्वारा बिसरख गोलचक्कर के पास चेकिंग की जा रही थी तभी गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि एटीएम बूथ से एटीएम कार्ड चुराकर पैसा निकालने वाला गिरोह किसी घटना को अंजाम देने जा रहा है। बिसरख पुलिस द्वारा गोपनीय सूचना पर बताये गये वाहनो का पीछा किया गया तो पुलिस को देखकर बदमाश जलपुरा सर्विस रोड से पुस्ता रोड पर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा करने पर बदमाशो ने गाड़ी से उतरकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश रोहित उर्फ मोनू पुत्र धर्मेन्द्र चौहान मूल निवासी थाना धामपुर, जिला बिजनौर वर्तमान पता चोटपुर कॉलोनी, सेक्टर-63, गौतमबुद्धनगर उम्र 27 वर्ष को पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। इसके साथी तीन बदमाश आयुष पुत्र अनमोन कुमार सिंह निवासी ग्राम (शेष पृष्ठ-3 पर)

ठक-ठक गिरोह के साथ पुलिस की मुठभेड़, तीन बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस ने देर रात नोएडा में सक्रिय ठक-ठक गिरोह के 3 बदमाशों को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। गिरोह का एक बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया।

थाना सेक्टर-58, नोएडा पुलिस ने गोपनीय सूचना की मदद से एक बलेनो कार में सवार ठक-ठक गैंग के तीन अभियुक्तों 1.आहद 2.वसीम. व 3.जितेन्द्र को गिरफ्तार किया गया था। अभियुक्तों के कब्जे से कोटक महिन्द्रा बैंक का केडिट कार्ड बरामद हुआ। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो के पास से अपने साथियों 1.खुर्रम व 2.महफुज के साथ चोरी किया गया था गिरफ्तारी के उपरांत की गयी पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया गया कि हमने अन्य गाड़ियों से चुराये गये लैपटॉप व मोबाइल फोन सै0-62 छोटा डी पार्क के पास झाड़ियों में छिपाकर रखा है। इनकी निशादेही पर पुलिस टीम इन्हें सै0-62 छोटा डी पार्क ले गयी तो बरामदगी के दौरान बदमाशों ने बैग में छिपाये गये तंमचे से बरामदगी करने वाली पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया। पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त आहद पुत्र अशफाक को पैर में गोली लगने से घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के दोनों साथी वसीम व जितेन्द्र को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चुराया गया एक लैपटॉप, 05 मोबाइल फोन व एक अवैध तंमचा मय एक जिन्दा व एक खोखा कारतूस बरामद हुये है।

अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया गया कि हम लोगो नोएडा व दिल्ली/एनसीआर के अन्य क्षेत्र में शीशा खोलकर गाड़ी में रखे बैग व पर्स व मोबाइल को चुरा लेते है।

पिंजरे में कैद हुआ चौथा आदमखोर भेड़िया

वन विभाग ढूंढ रहा है दो और भेड़िये, दहशत में ग्रामीण

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों ने 35 गांवों में खौफ का माहौल बना दिया है। यह भेड़िये अब तक 9 लोगों की जान ले चुके हैं। जिनमें 8 बच्चे और एक महिला शामिल है। यहां रात-रातभर लोग जागकर अपने परिवार की सुरक्षा कर रहे हैं। इतना ही नहीं वन विभाग की ओर से लोगों को सुरक्षित रहने के बारे में भी बताया जा रहा है। वन विभाग का कहना है कि इलाके में छह भेड़ियों का एक झुंड है, जो लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है। इनमें से आज एक और भेड़िये को पकड़ लिया गया है यानी अब तक चार भेड़िये पकड़ में आ चुके हैं और दो की तलाश की जा रही है।

बहराइच में इन आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने के लिए 5 वन प्रभागों बहराइच, कतर्नियाघाट वाइल्ड लाइफ, श्रावस्ती, गोंडा और बाराबंकी की लगभग 25 टीमें लगी हुई हैं। अब इन आदमखोरों ने अपना दायरा जिले के अन्य क्षेत्रों तक बढ़ा लिया है। जहां बहराइच के डीएफओ इन भेड़ियों की संख्या कुल छह बता रहे हैं तो प्रभावित इलाकों के ग्रामीण इनकी संख्या दो दर्जन बता रहे हैं। आज जिस भेड़ियों को पकड़ा गया है, उसे ट्रेंकुलाइज करने वाले अधिकारियों ने बताया कि इसका डीएनए सैंपल ले लिया गया है और अब टेस्टिंग के बाद ही पता चलेगा कि क्या ये भेड़िया उसी ग्रुप का है, जिसने इन वारदातों को अंजाम दिया है। उन्होंने आगे कहा हालांकि ऐसा लगता है कि यह भेड़िया उसी ग्रुप का है।

इन गांवों में भेड़ियों की वजह से डर का ऐसा माहौल बना है कि लोग रात-रातभर जागकर गांव का पहरा दे रहे हैं। अपने बच्चों और परिवार को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें अंधेरा होने के बाद घर के बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। कई बार लोगों ने भेड़ियों की गतिविधियों का मोबाइल में वीडियो भी बनाया था। उसके बाद जब तक वन विभाग की टीम पहुंचती भेड़िये गन्ने के खेतों में भाग जाते।

अमानवीय जीवन

देश में लंबे समय से यह मुद्दा चर्चा में रहा है कि आखिर क्यों जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विषम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे-बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं। उनमें कैदियों की संख्या निर्धारित संख्या से बहुत ज्यादा ही है। एक अनुमान के अनुसार करीब पांच हजार विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद रिहाई की प्रतीक्षा में हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए थे। जिसमें अदालतों से बांड और जमानत देने की शर्तों को संशोधित करने पर विचार करने को कहा गया था। शीर्ष अदालत ने इस दिशा में संकेत दिया था कि ऐसे कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर एक रिपोर्ट तैयार की जाए। जिससे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। निस्संदेह, बदलते वक्त के साथ एक लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। वैसे भी न्याय की अवधारणा रही है कि निर्दोष व्यक्ति को किसी भी हालात में अन्याय से बचाया जाना प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। इसी आलोक में शीर्ष अदालत ने एक बार फिर न्यायाधीशों से कहा है कि वे जीवन की कड़वी हकीकत से आंख नहीं मूंद सकते। इसका अवलोकन स्थिति को अधिक स्पष्ट कर सकता है। अदालत का मानना रहा है कि जमानत देना और उसके बाद अत्यधिक शर्तें लगा देना, कुछ ऐसा ही है कि दाहिने हाथ से किसी को कुछ दिया गया, बाएं हाथ से छीन लिया गया। अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण को संस्थागत बनाने की जरूरत पर बल दिया है। दरअसल, जमानत एक नियम है और जमानत से इनकार एक अपवाद है। इस बात को शीर्ष अदालत ने हाल के फैसलों में जोरदार तरीके से दोहराया है। यह माना गया कि यदि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये कोई मामला बनता है तो जमानत दी जानी चाहिए। अब चाहे भले ही किसी व्यक्ति का अपराध गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत ही क्यों न हो। दरअसल, आतंकी कृत्यों को दंडित करने वाले कानूनों को अकसर कठोर कर दिया जाता है। यही वजह कि त्वरित सुनवाई और स्वतंत्रता के हक को पवित्र अधिकार बताते हुए शीर्ष अदालत ने यह कहने से कोई परहेज नहीं किया कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामलों में सुरक्षित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करते नजर आते हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई कि देश की न्याय प्रणाली हर स्तर पर देरी से जूझ रही है। यदि 'तारीख पे तारीख' एक पुरानी खामी है तो जमानत मिलने के बाद विचाराधीन कैदियों के जेलों में बंद रहने का पहलू भी यही है। अदालत का मानना रहा है कि देश में जागरूकता और कानूनी साक्षरता की कमी भी इस संकट को बढ़ाने का ही काम कर रही है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का दृष्टिकोण न केवल प्रगतिशील व न्यायपूर्ण है बल्कि देश में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा और नागरिकों को जागरूक करने के गंभीर मुद्दे की ओर भी ध्यान दिलाता है। शीर्ष अदालत की हालिया संवेदनशील पहल से देश में करोड़ों लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण और पीढ़ी-दर-पीढ़ी न्याय की आस में बैठे लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में गंभीर पहल की उम्मीद भी जगती है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उससे वह सुंदर कविता रूपी नदी बह निकली, जिसमें श्री रामजी का निर्मल यश रूपी जल भरा है। इस (कवितारूपिणी नदी) का नाम सरयू है, जो संपूर्ण सुंदर मंगलों की जड़ है। लोकमत और वेदमत इसके दो सुंदर किनारे हैं।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नदी पुनीत सुमानस नंदिनि। कलिमल तृन तरु मूल निकंदिनि॥

यह सुंदर मानस सरोवर की कन्या सरयू नदी बड़ी पवित्र है और कलियुग के (छोटे-बड़े) पाप रूपी तिनकों और वृक्षों को जड़ से उखाड़ फेंकने वाली है॥

दो0-श्रोता त्रिबिध समाज पुर ग्राम नगर दुहुँ कूल।
संतसभा अनुपम अवध सकल सुमंगल मूल॥

तीनों प्रकार के श्रोताओं का समाज ही इस नदी के दोनों किनारों पर बसे हुए पुरवे, गाँव और नगर में है और संतों की सभा ही सब सुंदर मंगलों की जड़ अनुपम अयोध्याजी हैं॥

रामभगति सुरसरितहि जाई। मिली सुकीरति सरजु सुहाई॥
सानुज राम समर जसु पावन। मिलेउ महानदु सोन सुहावन॥

सुंदर कीर्ति रूपी सुहावनी सरयूजी रामभक्ति रूपी गंगाजी में जा मिलीं। छोटे भाई लक्ष्मण सहित श्री रामजी के युद्ध का पवित्र यश रूपी सुहावना महानद सोन उसमें आ मिला॥

(क्रमशः...)

जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव :

नया परिदृश्य और नई आकांक्षाएं

जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों की लंबे समय से प्रतीक्षित तिथियों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे। पहले चरण का मतदान, जिसमें 24 सीटें शामिल हैं, 18 सितंबर को होगा। दूसरे चरण में 26 सीटों पर 25 सितंबर को मतदान होगा, और तीसरे चरण में 40 सीटों पर 1 अक्टूबर को मतदान होगा। चुनाव परिणाम 4 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू और कश्मीर में 30 सितंबर, 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिये थे। यह जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन/निरस्तीकरण के बाद पहला विधानसभा चुनाव होगा. निरस्तीकरण 5 अगस्त, 2019 को हुआ था।

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें जम्मू और कश्मीर के इन चुनाओं पर केन्द्रित हो रही हैं राज्य गहन राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है, जहां नेता और पार्टी कार्यकर्ता समर्थन जुटाने के लिए जोरदार प्रचार कर रहे हैं।

पहले, जम्मू और कश्मीर में कुल 111 विधानसभा सीटें थीं, जिनमें जम्मू में 37, कश्मीर में 46, और लद्दाख में 4 सीटें थीं। इसके अलावा, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लिए 24 सीटें निर्धारित थीं। हाल ही में हुई परिसीमन प्रक्रिया के फलस्वरूप सीटों की संख्या परिवर्धित हुयी हैं। अब जम्मू में 43 सीटें होंगी, जबकि कश्मीर में 47 सीटें होंगी। पीओके के लिए यथावत 24 सीटें आरक्षित रहेंगी।

कश्मीरी पंडितों के लिए दो सीटें आरक्षित की गई हैं और उन्हें कश्मीरी प्रवासी/विस्थापित कहा जायगा। इसके अलावा, लेफ्टिनेंट गवर्नर को विधानसभा में तीन सदस्यों को नामित करने का अधिकार होगा, जिनमें से दो कश्मीरी प्रवासी/विस्थापित और एक पीओके से विस्थापित व्यक्ति होगा। दो कश्मीरी प्रवासी नामितों में से एक महिला होनी चाहिए। कश्मीरी विस्थापित को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है जो 1 नवंबर, 1989 के बाद घाटी या जम्मू और कश्मीर के किसी भी हिस्से से प्रवास कर गया हो और राहत आयुक्त के यहाँ पंजीकृत हो। जो लोग 1947-48, 1965, या 1971 की घटनाओं के बाद पीओके से प्रवास कर गए, उन्हें विस्थापित व्यक्ति माना जाएगा। प्रवासियों के लिए विशेष रूप से दो सीटों को आरक्षित या नामित करने की पहल के साथ, कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए नई आशा जगी है। इस निर्णय से उन्हें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने और अपनी लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के निवारण की मांग करने के लिए एक मंच मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 16 सीटें आरक्षित की गई हैं। इनमें से 7 सीटें एससी उम्मीदवारों के लिए आवंटित की गई हैं, जबकि 9 सीटें एसटी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि जम्मू और कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये अनुच्छेद 370 के अवसान के बाद पहला चुनाव है और यह चुनाव केंद्र-शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। परिसीमन प्रक्रिया से भी, जिसने जम्मू में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ा दी है, क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य पर काफी प्रभाव डालने की संभावना है।

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, देश और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें जम्मू और कश्मीर के इन चुनाओं पर केन्द्रित हो रही हैं राज्य गहन राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है, जहां नेता और पार्टी कार्यकर्ता समर्थन जुटाने के लिए जोरदार प्रचार कर रहे हैं। चुनावी- वादे किए जा रहे हैं, और प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच आरोपों-प्रत्यारोपों का आदान-प्रदान जारी है। ऐसी स्थिति में, मीडिया की भूमिका न केवल महत्वपूर्ण बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है।

मीडिया राजनेताओं और मतदाताओं के बीच प्राथमिक सेतु है, और इस अवधि के दौरान इसकी जिम्मेदारियां मात्र रिपोर्टिंग से कहीं अधिक हैं। यह आवश्यक है कि मीडिया पत्रकारिता के उच्चतम मानकों का पालन करें और अभियानों की वस्तुनिष्ठ और तथ्यात्मक कवरेज सुनिश्चित करें। सटीकता, निष्पक्षता और सूचना के नैतिक प्रसार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जम्मू और कश्मीर में एक पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

कंगना कल्चर' के अपने ही नेताओं से परेशान भाजपा....

बीते छह माह में संविधान, आरक्षण, जातिगणना और किसान आंदोलन के मुद्दे भाजपा की ऐसी दुखती रग बन गए हैं कि वो उसे कहां और कैसे राजनीतिक नुकसान पहुंचाएंगे, इसका अंदाजा भाजपा भी ठीक-ठीक नहीं लगा पा रही है। इनमें भी लंबे किसान आंदोलन के चलते तीन विवादित कृषि कानून मोदी सरकार द्वारा वापस ले लिए जाने के बाद यह मामला पिछले कुछ समय से हाशिए पर चला गया था, लेकिन भाजपा सांसद और बड़बोली अभिनेत्री कंगना रनौत ने इन हरियाणा विधानसभा चुनाव के पहले फिर इस मुद्दे को कुरेद कर भारतीय जनता पार्टी के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है।

लगता है पार्टी को अब अपने ही नेताओं के ऐसे घर जलाऊ बयानों पर पानी डालने के लिए अलग से फायर ब्रिगेड रखनी पड़ेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो पार्टी में कंगना जैसे नेता हो तो दुश्मनों की जरूरत ही नहीं है। एक समय तक कांग्रेस मणिशंकर अय्यर, सैम पित्रोदा जैसे बड़बोले नेताओं से परेशान थी। लेकिन अब लगता है यह काम भाजपा में भी कुछ लोगों ने अपने हाथ में ले लिया है।

भाजपा की बेबसी यह है कि वह इन मुद्दों पर लगातार नुकसान झेल रही है, लेकिन इसका कोई तोड़ या ठोस जवाब उसके पास नहीं है। यहां तक कि ऐसे नेताओं के खिलाफ वह कोई प्रभावी कार्रवाई भी नहीं कर पाती। इसके पीछे कारण या तो असहायता है या फिर खुद ऐसे लोगों को पार्टी की शह है।

बेशक, राजनीति में बेबाकी भी एक व्यक्तिगत गुण है, लेकिन बेबाकी और अविवेकी होने में बुनियादी फर्क है। अगर बगैर राजनीतिक समझ के कोई सार्वजनिक बयान दिया जाता है तो यह या तो मूर्खता है या फिर उद्दंडता। बिना सोचे समझे सिर्फ सुर्खियां पाने के लिए कुछ भी कह देना खुद अपने और अपनी पार्टी के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

वैसे भी कंगना रनौत ऐसे ही विवादित बयानों के लिए जानी जाती हैं। वो बेहतर अभिनेत्री हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक और सामाजिक समझ भी उतनी ही परिपक्व हो, जरूरी नहीं है। वरना कोई कारण नहीं था कि हरियाणा विस चुनाव के ऐन पहले काफी हद तक ठंडे पड़ चुके किसान आंदोलन को बुरे लफ्जों में कोसा जाता।

कंगना के बयान के बाद हरियाणा में नाराज किसानों के प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि कंगना ने ऐसा बयान तब दिया है कि जब वो इसी मुद्दे पर सीआईएसफ की एक महिला कांस्टेबल के हाथों सरेआम थप्पड़ खा चुकी हैं।

किसान आंदोलन कितना जायज, तार्किक और राजनीति से प्रेरित था, इसके पीछे किन ताकतों का हाथ था, इस पर बहस हो सकती है, लेकिन उसे अलगाववादियो और विदेशी हाथों से संचालित होने के आरोप लगाना और वो भी इस समय, राजनीतिक बुद्धिमानी कतई नहीं है। अगर यह साफगोई भी है तो उसमें समझदारी का तत्व गायब है।

वैसे भी कंगना न तो स्वयं किसान परिवार से हैं और न ही इस आंदोलन के साथ उनका किसी तरह का कोई सम्बन्ध रहा है। हाल में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीमा पर हुए किसान आंदोलन के दौरान प्रदर्शन स्थल पर लाशें लटकती देखी गईं और बलात्कार हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो किसानों के विरोध प्रदर्शन से भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। इस बयान ने उन भाजपाइयों को भी चौंका दिया जो, लोकसभा चुनाव में हुई चूकों की राजनीतिक दुरूस्ती में लगे हुए हैं।

इस बयान से संभावित सियासी नुकसान को भांपकर भाजपा ने तुरंत खंडन जारी किया कि कंगना का बयान पार्टी की अधिकृत राय नहीं है। उन्हें नीतिगत मामलों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। साथ में कंगना को चेतावनी दी गई कि वो आइंदा ऐसे मुद्दों पर न बोलें। उधर विपक्ष ने इस बयान को तुरंत लपका और भाजपा पर प्रहार शुरू कर दिए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कंगना का बयान भाजपा की किसान विरोधी नीति का सबूत है। इसे किसी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि किसानों से किए वादे पूरा करने में नाकाम रहा तंत्र किसानों के प्रति दुष्प्रचार में लगा हुआ है। राहुल ने कहा कि भाजपा कंगना के बयान से असहमत है तो उन्हें पार्टी से बाहर करे। उन्होंने यह भी कहा कि तीन विवादित कृषि कानूनो के खिलाफ 378 दिन चले मैराथन संघर्ष में 700 किसानों ने बलिदान दिया।

उन्हें बलात्कारी व विदेशी ताकतों का नुमाइंदा कहना भाजपा की किसान विरोधी नीति व नीयत का परिचायक है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के किसानों का अपमान है। इंडिया गठबंधन किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दिलवा कर रहेगा। कुछ ऐसे ही बयान आम आदमी पार्टी, सपा की तरफ से भी आए। क्योंकि सबको पता है कि किसानो का मुददा हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तरप्रदेश के लिए कितना संवेदनशील है। इस मामले में कोई भी प्रतिकूल प्रतिक्रिया भाजपा की जमावट को जड़ से हिला सकती है।

दरअसल, ऐसे आत्मघाती बयान या तो अतिआत्मविश्वास की कोख से जन्म लेते हैं या फिर विवेकहीनता का परिणाम होते हैं। इसमे यह उद्दंड भाव छिपा होता है कि जनता उनकी बंधुआ है। वो कुछ भी करें या कहें, सत्ता उन्हीं के हाथ रहनी है।

लोकसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'अबकी बार चार सौ पार का नारा' भी इसी मुगालते का नतीजा था। तीन विधानसभा चुनावों में भाजपा की बंपर जीत और राम मंदिर में भगवान राम की भव्य प्रतिष्ठापना ने ऐसी सियासी धुंध पैदा की कि सत्ताधीशों को शायद सतह के नीचे की खदबदाहट सुनाई देना ही बंद हो गई।

यह राजनीतिक बधिरता ही ऐसे बयानों को प्रेरित करती है, जो अपने घर पर ही 'बुलडोजर चलाने' जैसी साबित होती है। लोकसभा चुनाव के समय भी यही हुआ था। 'चार सौ पार' इसलिए चाहिए क्योंकि संविधान बदलना है, यह नरेटिव गुप्त गंगा की तरह ऐसा लहराया कि चार सौ पार तो दूर भाजपा बहुमत के आंकड़ों से भी 32 सीट दूर रह गई। इसकी शुरूआत भी किसी विपक्षी पार्टी ने नहीं बल्कि 'कंगना कल्चर' के भाजपाई सांसदों अनंत हेगड़े, ज्योति मिर्धा, लल्लू सिंह, अरूण गोविल आदि ने की थी।

कांग्रेस और विपक्ष ने इसी बड़बोलेपन को अपना अचूक हथियार बनाकर भाजपा की नीयत पर ही हमले शुरू कर दिए। डेमेज कंट्रोल के तौर पर भाजपा ने कुछ सांसदों के टिकट भी काटे, लेकिन पार्टी की मंशा पर उठी उंगलियों को वापस मोड़ देने का कोई कारगर इलाज उसके पास नहीं था। जब तक वो इन सवालों का माकूल राजनीतिक जवाब देती, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। भाजपा की परेशानी यह है कि अब राहुल गांधी उसकी दुखती रग बने चारों मुद्दों पर लगातार और बेखौफ हमला किए जा रहे हैं।

ऐसे में राहुल को 'पप्पू' अथवा 'अपरिपक्व राजनीतिज्ञ' साबित करने के पुराने फार्मूले काम नहीं आ रहे हैं। बीते दस सालों में यह शायद पहली बार है, जब देश तो क्या विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा अपना एजेंडा सेट करने के बजाए विपक्षी हमलो से बचाव के लिए तलवार पर धार करने में ही उलझी है।

यह बात मोदी सरकार के कोर मुद्दों पर बैकफुट पर जाने और अपने ही नेताओं को कायदे में न रख पाने से जाहिर है। कंगना के ताजा बयान से हरियाणा में भाजपा का कितना नुकसान होगा या नहीं होगा, यह तो विधानसभा चुनाव के नतीजों से पता चलेगा, लेकिन पार्टी कंगना के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है। यह साफ है।

राशिफल

भाद्रपद कृष्ण पक्ष : एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जुबान अनियंत्रित न करें। पूंजी का निवेश अभी न करें। बाकि स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य बहुत अच्छा। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। मन चिंतित रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय में आशातीत बढ़ोतरी होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। प्रेम-संतान का साथ व व्यापार बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम-संतान मध्यम व व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बचकर पार करें। कोई रिस्क न लें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान ठीक ठाक। व्यापार ठीक ठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापार की स्थिति बहुत अच्छी है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परेशानी रहेगी चाहे स्वास्थ्य का मामला हो या साथ का मामला हो। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम ।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है लेकिन गृहकलह भी संभव है। स्वास्थ्य मध्यम।

धरना दे रहे किसानों को सपा ने दिया समर्थन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सपाइयों ने जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में दनकौर में सलारपुर अंडर पास और जेवर क्षेत्र के गांव रन्हेरा में अपनी मांगो को लेकर धरना दे रहे किसानों के बीच पहुँच कर अपना समर्थन दिया। इस मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि क्षेत्र के किसान अपने अधिकारों के लिए काफी लम्बे समय से लड़ाई लड़ रहे है। लेकिन यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारी किसानों की न्यायसंगत मांगो को मानने के लिए तैयार नहीं है और न ही उनको उनके अधिकारों को देना चाहते है।

प्राधिकरण मनमानी करते किसानों को उनके हकों से उन्हें वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी है। वह किसने की समस्याओं को हल करने की बजाय उनका दमन और शोषण कर रही है और कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है और वह किसानों की इस लड़ाई में भी उनके साथ खड़ी है और उनके साथ अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने प्राधिकरण को

चेतावनी देते हुए कहा कि यदि धरनारत किसने की मांगे शीघ्र नहीं मानी गई तो समाजवादी पार्टी किसानों के अधिकारों के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र नागर, जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी, राजेश रोही, डॉक्टर इंद्रपाल छौकर, प्रवीण भाटी, मोहित नागर, लोकेश जनमेदा, दयाराम शास्त्री, रामनरेश चौधरी, हुकम सिंह भारती, नवाब कुरैशी, गजेंद्र यादव, यशपाल भाटी, एमडी भल्ला, मुरारी लाल गौतम, महेश जाटव, जावेद अंसारी आदि मौजूद रहे।

शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिला

नोएडा (चेतना मंच)।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल विभिन्न समस्याओं के समाधान के को लेकर ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिला। समायोजन की प्रक्रिया के संबंध में प्रतिनिधिमंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को वास्तविक स्तिथि से अवगत कराया कि सितंबर तक विधालयो में बच्चों के प्रवेश होते रहते है। छात्र संख्या सितंबर माह की होनी चाहिए। बिना मुखिया कोई संस्था सुचारू रूप से नहीं चल सकती है। इसलिए प्रधानाध्यापक का समायोजन नहीं होना चाहिए।

जिनकी आयु अधिक एवं गंभीर बीमारी से ग्रस्त है। वह अध्यापक दूर विधालय में नहीं जा सकता है। इसलिए जिनकी सेवानिवृति में दो वर्ष शेष एवं गंभीर रूप से बीमार अध्यापक का समायोजन न किया जाये। उपरोक्त समस्याओं के निराकरण के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा सचिव से निर्देश माँगने का आश्वासन दिया है।

ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा छोटी अनियमितता पर वेतन वृद्धि रोकी जा रही है। जिसके लिये अध्यापक को कार्यालय एडिबेसिक एवं सचिव तक परेशान होना पड़ सकता है। इसतरह की कार्यवाही पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कार्यवाही नहीं करने का आश्वासन देने के साथ साथ अध्यापक द्वारा समय से कार्य करते रहना चाहिए। संबंधित अध्यापकों का चयन वेतनमान लगने की कार्यवाही समयनुसार की जानी चाहिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जल्दी ही सभी फ़ाइलें जल्दी मंगाने का आश्वासन दिया है। उपरोक्त समस्याओं के निराकरण हेतु अपनी प्रतिनिधि मंडल ने अपनी बातों को मुखरता के साथ रखा। प्रतिनिधि मंडल में मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ज़िलामंत्री गजन भाटी उपस्थित रहे।

शाहबेरी में तोड़ी गई शत्रु संपत्ति पर बनी दुकानें

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में तहसील दादरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम शाहबेरी में शत्रु संपत्ति पर निर्मित 150 दुकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे एवं उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा द्वारा राजस्व विभाग की टीम के साथ ग्राम शाहबेरी की खसरा संख्या 187 शत्रु संपत्ति पर निर्मित 48 दुकानों एवं 02 ऑफिस पर दो जेसीबी मशीन के माध्यम से पुलिस बल की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण कराया जा चुका है एवं बाकी 100 दुकानों पर इसी प्रकार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जायेगी। इस दौरान तहसीलदार ओमप्रकाश पासवान क्षेत्रीय लेखपाल दर्शन सिंह तथा पुलिस बल उपस्थित रहा।

9 खसरा नंबरों में शत्रु संपति

शाहबेरी गांव में खसरा नंबर 13, 30, 68, 69, 124, 125, 186, 187 और 205 में करीब 10950 वर्गमीटर से अधिक की शत्रु संपत्ति हैं। जिनमें छह खसरा नंबर की जमीन पर अवैध निर्माण हो चुका है। जिसकी कीमत का आंकलन कर रिपोर्ट कस्टोडियन को भी भेजी जा चुकी है। मार्च 2023 में प्रशासन ने 96 दुकानों को सील भी कर दिया था। खसरा नंबर 13 की 1520 वर्गमीटर जमीन पर चार भवन निर्मित है। खसरा नंबर 30 में 250 वर्गमीटर और 125 में 390 वर्गमीटर में भी अवैध कब्जा है।

पाक से आकर जमीन बेच गया था मालिक

खसरा नंबर 187 की जमीन का मालिक पाकिस्तान चला गया था। करीब 20 वर्ष पूर्व वो भारत आया और जमीन बेचकर चला गया। इसके बाद भी जमीन की कई बार खरीद फरोख्त हो चुकी है। कई लोग अब उक्त जमीन पर मालिका हक होने का दावा करते हैं।

कार्रवाई के दौरान संपत्ति पर मालिकाना हक जताने वाले लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध किया। प्रशासन ने उनसे कोर्ट का स्टे इत्यादि दस्तावेज मांगे, लेकिन वह प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस की मदद से लोगों को एक तरफ खड़ा कर दिया गया। प्रक्रिया के दौरान मौके पर शांति बनी रही। हालांकि कार्रवाई को गलत बताते हुए लोगों ने जमकर प्रशासन को कोसा।

दादरी के उपजिलाधिकारी अनुज नेहरा ने कहा कि शाहबेरी में वर्षों से शत्रु संपत्ति पर अवैध कब्जा था। कस्टोडियन के आदेश मिलने के बाद दुकानों के ध्वस्तीकरण का अभियान शुरू किया। यहां पर करीब 10 हजार वर्गमीटर जमीन को कब्जामुक्त कराया जाना है।

शत्रु संपत्ति का सीधा सा मतलब है शत्रु की संपत्ति। 1947 में भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ, जो लोग पाकिस्तान चले गए उनकी जमीन को शत्रु सम्पत्ति कहा जाता है।

सेक्टर के विकास के लिए संगठन तत्पर : तिवारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पी-4 सेक्टर आरडब्ल्यूए के महासचिव सुधांशू तिवारी ने कहा कि सेक्टर के विकास के लिए संगठन के सभी पदाधिकारी निरंतर तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सेक्टर में सफाई एवं जल निकासी पानी की व्यवस्था एवं सुरक्षा के चाकचौबंद व्यवस्था को लेकर समय-समय पर बैठक की जाती है। उन्होंने कहा कि सेक्टर को स्वच्छ

रखने के लिए आम जनमानस की भी पूरी जिम्मेदारी होती है। श्री तिवारी ने कहा कि विकास को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से समय-समय पर पत्रक देकर मांग किया जाता रहता है।

31 को होगा ग्लोबल सोर्सिंग एंड एक्सपोर्ट लीडरशिप अवार्ड

नोएडा (चेतना मंच)। हैंडलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन अपना दूसरा अवॉर्ड फंक्शन 'ग्लोबल सोर्सिंग एंड एक्सपोर्ट लीडरशिप अवार्ड 2024' का आयोजन 31 अगस्त करने जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष सी.पी.शर्मा ने बताया कि 31 अगस्त को नोएडा के एक होटल में इस कार्यक्रम का आयोजन सुबह 10:30 बजे शुरू होगा, यह एक अद्भुत कार्यक्रम है जिसमें अवार्ड सेरेमनी के अलावा हम लोगों ने एक नेटवर्क सेशन भी रखा है जो 10:30 बजे तक होगा इसमें हमने लगभग 40 ऐसे बाइंग एजेंसीज को बुलाया है जो हमारे नए एक्सपोर्टर,

स्टार्टअप, एक्सपोर्टर एवं एमएसएमई एक्सपोर्टर्स की मदद करने के लिए आएंगे और इसके अलावा जो भी बिजनेस जनरेट होगा यह एक अपने आप में एक मिल का पत्थर साबित होगा क्योंकि एग्जीबिशन के दौरान एमएसएमई और स्टार्टअप को स्टॉल का पैसा देना पड़ता है हम चाहते थे कि यह इवेंट ऐसा रखा जाए जिसमें उनका कोई पैसा खर्च ना हो और उनको अच्छा इनपुट मिले।

इसके बाद अवॉर्ड सेरेमनी होगी जिसमें हमारे एमएसएमई मंत्री राकेश सचान एवं कैबिनेट मंत्री बृजेश सिंह, आईएमएल अध्यक्ष डॉक्टर राकेश कुमार, एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल हैंडीक्राफ्ट के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आर. के. वर्मा, सांसद डॉक्टर महेश शर्मा एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह की गरिमा में उपस्थित रहेगी।

हम लोग लगभग 45 अवार्ड अलग-अलग क्षेत्र में, अलग-अलग प्रोडक्ट में, अलग-अलग स्टेट के लिए देंगे, इसमें पानीपत के लगभग 5 अवार्ड, तमिलनाडु के लगभग 3 अवार्ड, सहारनपुर के 2 अवार्ड, मुरादाबाद के पांच अवार्ड, नोएडा क्षेत्र के लगभग 11 अवार्ड एवं दिल्ली के लगभग 10 अवार्ड एवं उड़ीसा के 2 अवार्ड होंगे, इसी के साथ अलावा हम लोगों ने ऐसी बाइंग एजेंसी को सम्मानित करने का निर्णय किया है जिन्होंने 1980 में मिल का पत्थर रखा था।

इस कार्यक्रम में हम उन लोगों को भी सम्मानित करेंगे जो देश हित में और सामाजिक कार्य से जुड़े हैं।

इसी के साथ पीएम मोदी जी का जो सपना है कि तीन गुना इकोनामी पर पहुंचना है, हमारी तीन गुना एक्सपोर्ट 2030 तक 2047 में विकसित भारत की हम लोगों ने शुरुआत कर दी है।

पृष्ठ एक के शेष....

डबल इंजन की....

इस लायक भी नहीं समझा जाता था। आज यहां रोजगार है। आगे कहा कि सपा सरकार में उद्यमी यूपी के बाहर जाने का प्रयास कर रहे थे। आज यूपी में रहना चाहते हैं। हम दावे के साथ कह सकते हैं कि जो लक्ष्य तय किया, उसे 225 परसेंट अचीव किया है।

हेड कांस्टेबल को...

पुलिस लाइन के आसपास काफी घना जंगल है, तथा उसके कुछ दूर पर ही पक्षी विहार स्थित है। दीवान को सांप काटने की घटना के बाद पुलिस लाइन में रहने वाले लोगों में दहशत है। लोग रात के समय घरों से निकलने से डर रहे हैं, जबकि बैरक में रहने वाले कर्मचारी डर के साए में जी रहे हैं।

पढ़ाई में नुकसान पर...

वाले भगवान कुमार (28 वर्ष), थाना फेस-3 क्षेत्र में रहने वाली गुरदीप कौर (65 वर्ष) तथा थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में रहने वाले रवींद्र प्रसाद (56 वर्ष) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

चार राज्यों में एटीएम...

दौलतपुरा, पोस्ट छोटी पाली, थाना सीतामढी, जिला नवादा बिहार वर्तमान पंचशील ग्रीन्स-2, मनीष पुत्र ब्रजेश कुमार निवासी गाँव रामपुर, थाना भटनी जिला देवरिया वर्तमान पता फ्लैट रायल अपार्टमेंट, सेक्टर-68, गढी चौखंडी, थाना फेस-3, गौतमबुद्धनगर। रवि शंकर पुत्र संजय सिंह मूल पता शकरपुरा, थाना अकबरपुर, जिला नवादा, बिहार वर्तमान पता पंचशील ग्रीन-2, थाना बिसरख को कांबिंग के दौरान मौके से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि यह गिरोह एटीएम बूथ की मशीन को पेचकस/प्लास आदि उपकरण से एटीएम मशीन में छेड़छाड़ करते थे कि जो व्यक्ति पैसा निकालने के लिये अपना एटीएम कार्ड मशीन मे डालेगा व एटीएम कार्ड वापस मशीन से बाहर नहीं निकलेगा और रुपया भी मशीन मे फंसकर रह जायेगा। कुछ देर बाद यह लोग एटीएम बूथ में जाकर एटीएम से रुपये निकाल लेते है। इस प्रकार यह गिरोह एटीएम बूथ से एटीएम कार्ड की चोरी करते थे और उस एटीएम कार्ड से रुपये निकाल लिया करते थे। यह गिरोह झारखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ व उत्तर प्रदेश में सक्रिय है। इनके पास से 1 अवैध तमंचा, 6 मोबाइल, घटना में इस्तेमाल बलेनो और महेन्द्रा गाड़ी बरामद की है।

रात भर की बारिश...

में सुबह 5.30 बजे तक 7 सेमी और पालम में 5 सेमी बारिश दर्ज हुई है। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है. जिसकी वजह से दिल्ली, बिहार, यूपी, गुजरात, हिमाचल और उत्तराखंड सहित ज्यादातर राज्यों में आज, 29 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 31 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

प्राधिकरण की जमीन...

अर्जित और अधिसूचित भूमि है इस पर युसूफ, युनुस द्वारा मिट्टी का भराव करके दुकान बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि उनके कार्य को रोका गया लेकिन ये लोग चोरी छुपे कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

विशेष रेलगाड़ियों की परिचालन अवधि में विस्तार

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु, रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	से	तक	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित तिथि
02575	हैदराबाद डेक्कन	गौरखपुर ज.	शुक्रवार	27.09.2024	11.10.2024 से 27.12.2024
02576	गौरखपुर ज.	हैदराबाद डेक्कन	रविवार	29.09.2024	13.10.2024 से 29.12.2024
07651	जालना	छपरा	बुधवार	25.09.2024	02.10.2024 से 25.12.2024
07652	छपरा	जालना	शुक्रवार	27.09.2024	04.10.2024 से 27.12.2024
07031	सिंकदराबाद ज.	हज़रत निज़ामुद्दीन	रविवार	29.09.2024	13.10.2024 से 10.11.2024
07032	हज़रत निज़ामुद्दीन	सिंकदराबाद ज.	मंगलवार	01.10.2024	15.10.2024 से 12.11.2024

● अन्य विवरण पूर्ववत रहेंगे।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए दूरभाष सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App. देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2671/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2024

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियां नीचे दर्शाई गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी :-

रेलगाड़ी सं. 05109/05110 छपरा जं.-आनंद विहार ट.-छपरा जं. त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05109 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05109 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05110 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05110 प्रस्थान
----	17:45	छपरा जं.	06:45	----
11:50	----	आनंद विहार ट.	----	12:55

चलने के दिन : 05109 छपरा जं. से प्रत्येक बुधवार दिनांक 18.09.2024 से 27.11.2024 तक एवं 05110 आनंद विहार ट. से प्रत्येक वीरवार दिनांक 19.09.2024 से 28.11.2024 तक।
ठहराव: सीवान जं., देवरिया, गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल जं., सीतापुर जं., सीतापुर सिटी जं., बरेली जं. एवं मुरादाबाद जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलगाड़ी सं. 05023/05024 गोरखपुर जं.-आनंद विहार ट.-गोरखपुर जं. त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05023 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05023 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05024 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05024 प्रस्थान
----	21:15	गोरखपुर जं.	04:45	----
13:15	----	आनंद विहार ट.	----	15:15

चलने के दिन : 05023 गोरखपुर जं. से प्रत्येक रविवार दिनांक 15.09.2024 से 24.11.2024 तक एवं 05024 आनंद विहार ट. से प्रत्येक सोमवार दिनांक 16.09.2024 से 25.11.2024 तक।
ठहराव: खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल जं., सीतापुर जं., बरेली जं., मुरादाबाद जं. और गाजियाबाद जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलगाड़ी सं. 05301/05302 मऊ जं.-आनंद विहार ट.-मऊ जं. त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05301 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05301 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05302 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05302 प्रस्थान
----	04:00	मऊ जं.	17:45	----
20:30	----	आनंद विहार ट.	----	00:25

चलने के दिन : 05301 मऊ जं. से प्रत्येक वीरवार दिनांक 19.09.2024 से 28.11.2024 तक एवं 05302 आनंद विहार ट. से प्रत्येक शुक्रवार दिनांक 20.09.2024 से 29.11.2024 तक।
ठहराव: बेलथरा रोड, भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर जं., गोंडा जं., बुढ़वल जं., सीतापुर जं., बरेली जं., मुरादाबाद जं. और गाजियाबाद जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकॉनमी), शयनयान एवं सामान्य

रेलगाड़ी सं. 05005/05006 गोरखपुर जं.-अमृतसर जं.-गोरखपुर जं. त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05005 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05005 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05006 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05006 प्रस्थान
----	14:40	गोरखपुर जं.	08:50	----
09:30	----	अमृतसर जं.	----	12:45

चलने के दिन : 05005 गोरखपुर जं. से प्रत्येक बुधवार दिनांक 18.09.2024 से 27.11.2024 तक एवं 05006 अमृतसर जं. से प्रत्येक वीरवार दिनांक 19.09.2024 से 28.11.2024 तक।
ठहराव: खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल जं., सीतापुर जं., बरेली जं., मुरादाबाद जं., सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अंबाला छावनी, ढंडारी कलां, जालंधर सिटी जं. और ब्यास जं. स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलगाड़ी सं. 05049/05050 छपरा जं.-अमृतसर जं.-छपरा जं. त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 24 फेरे

रेलगाड़ी सं. 05049 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05049 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 05050 आगमन	रेलगाड़ी सं. 05050 प्रस्थान
----	09:55	छपरा जं.	14:00	----
09:30	----	अमृतसर जं.	----	12:45

चलने के दिन : 05049 छपरा जं. से प्रत्येक शुक्रवार दिनांक 20.09.2024 से 29.11.2024 तक एवं 05050 अमृतसर जं. से प्रत्येक शनिवार दिनांक 21.09.2024 से 30.11.2024 तक।
ठहराव: सीवान जं., थावे जं., तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल जं., सीतापुर जं., बरेली जं., मुरादाबाद जं., सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अंबाला छावनी, ढंडारी कलां, जालंधर सिटी जं. और ब्यास जं. स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2676/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खास खबर

मेरठ से लखनऊ वंदे भारत इसी हफ्ते चलाने की तैयारी, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के लिए बड़ी खबर है। इसी सप्ताह मेरठ से लखनऊ के बीच वंदे भारत का शुभारंभ होने की संभावना है। उम्मीद है एक-दो दिनों में वंदे भारत का विस्तृत कार्यक्रम जारी हो जाएगा। राज्यसभा सांसद डा.लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने बताया कि मेरठ से वंदे भारत ट्रेन लखनऊ के लिए इसी सप्ताह में चलने की संभावना है। प्रधानमंत्री वर्चुअल इसका शुभारंभ करेंगे। सिटी स्टेशन पर कार्यक्रम संभावित है। एक-दो दिन में इसकी तारीख और विस्तृत कार्यक्रम जारी होने की संभावना है। गत नवंबर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की थी बहुत जल्द मेरठ को एक और वंदे भारत मिलने जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने इसका खाका तैयार करना शुरू कर दिया था। अधिकारी टाइम टेबल तैयार करने में जुटे रहे। जनप्रतिनिधियों की ओर से लगातार मांग की जाती रही। अधिकारियों का कहना है कि वंदे भारत कब से चलेगी यह मामला उच्च स्तर का है। मेरठ से लखनऊ तक अभी सिर्फ दो ट्रेनें ही हैं। सुबह राज्यरानी औश्र शाम को नौचंदी एक्सप्रेस। नौचंदी पहले मेरठ से ही चलती थी इसमें सहारनपुर से आकर लिंक जुड़ता था। कुछ महीने पहले इस ट्रेन को अंबाला जक्शन के अंडर में कर दिया गया। इसके बाद से यह ट्रेन सहारनपुर से चलने लगी। वंदेभारत चलने से मेरठ-लखनऊ के बीच यात्रा करने वालों को राहत मिलेगी। इन दोनों ट्रेनों में वेटिंग भी कम हो सकती है। फिलहाल दिल्ली -देहरादून के बीच चलने वाली वंदे भारत वाया मेरठ चल रही है। राज्यसभा सांसद, डा.लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सूचना मिली है कि इसी सप्ताह मेरठ से वंदे भारत शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। संभावना है कि पहले लखनऊ तक, उसके बाद प्रयागराज अथवा वाराणसी तक वंदे भारत चलेगी।

पत्नी से माफी मांगी, पासवर्ड और बैंक डिटेल भी बताए, फिर नोएडा में 15वीं मंजिल से नीचे कूद गया इंजीनियर

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-75 स्थित पंचशील प्रतिष्ठा सोसाइटी के 15वीं मंजिल पर बने फ्लैट की बालकनी से कूदकर आईटी इंजीनियर ने मंगलवार को जान दे दी। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या का कारण जानने के लिए सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। एसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि पंचशील प्रतिष्ठा सोसाइटी के टावर संख्या आठ के फ्लैट नंबर 1508 में 36 वर्षीय पंकज पत्नी और बच्चे के साथ रहते थे। मंगलवार शाम 3 बजे के करीब 15वीं मंजिल से कूदकर पंकज ने आत्महत्या कर ली। किसी के गिरने की आवाज सुनकर सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड भागकर घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक पंकज की मौत हो चुकी थी। पंकज सेक्टर-126 स्थित एक कंपनी में आईटी इंजीनियर थे। पुलिस सोसाइटी के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाल रही है। जिस समय हादसा हुआ पंकज की पत्नी जालंधर गई हुई थीं। पत्नी को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। वह नोएडा के लिए निकल चुकी हैं। बताया जा रहा है कि मैसेज और मेल के माध्यम से पंकज ने घटना के पहले पत्नी से संवाद भी किया था। मेल में पंकज ने अपने लैपटॉप समेत पासवर्ड और बैंक संबंधी जानकारी पत्नी को दी है। आत्महत्या के लिए इंजीनियर ने पत्नी से माफी भी मांगी है। जिस स्थान पर आईटी इंजीनियर ऊंचाई से गिरा वहां चारों तरफ खून फैला हुआ था। इस मामले में मृतक पक्ष की ओर से अब तक संबंधित थाने में कोई शिकायत भी नहीं दी गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पंकज बीते कुछ दिनों से डिप्रेशन की दवा भी ले रहे थे। वह मूलरूप से पंजाब जालंधर के रहने वाले थे।

ममता बनर्जी ने देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते हुए अपराधों पर बात करते हुए माफी मांगी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ हुए और निर्मम हत्या पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम ममता ने कहा है कि वह तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस के कार्यक्रम को पीड़िता को समर्पित कर रही हैं। इस पोस्ट में ममता बनर्जी ने देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते हुए अपराधों पर बात करते हुए माफी भी मांगी है। उन्होंने बंगाली भाषा में एक पोस्ट में लिखा, आज तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस पर मैं इसे अपनी बहन को समर्पित कर रही हूं जिसकी कुछ दिन पहले आरजी कर अस्पताल में दुखद मृत्यु हो गई थी। हम अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और उस जल्द से जल्द न्याय की मांग करते हैं। हमारी संवेदनाएं उन सभी महिलाओं के साथ हैं जो अमानवीय घटनाओं की शिकार हुई हैं। सॉरी। 9 अगस्त को कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद पूरे देश में आक्रोश है। लोग पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

राज्यपाल पर दबाव बनाने के लिए डीके शिवकुमार ने की राजभवन चलो की अपील

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने मंगलवार को 31 अगस्त को राजभवन चलो आंदोलन का आह्वान किया। यह आह्वान राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर उनके समक्ष लंबित भाजपा नेताओं के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने के लिए दबाव बनाने के लिए किया गया है। कांग्रेस पार्टी मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के विरोध में राज्यपाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है।

पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने मंगलवार को कहा, 31 अगस्त को हम विधान सौध में गांधी प्रतिमा से राजभवन तक मार्च निकालेंगे और राज्यपाल से लंबित मामलों में मुकदमा चलाने की अनुमति देने का आग्रह करेंगे। शिवकुमार ने कहा, पिछले गुरुवार को हमने कैबिनेट की बैठक की और राज्यपाल को सलाह दी। हमें चार आपराधिक मामलों के बारे में जानकारी थी, जिनकी जांच लोकायुक्त और एसआईटी सहित विभिन्न विभागों द्वारा की गई थी। मामला केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी और तीन भाजपा के तीन पूर्व मंत्रियों के खिलाफ भी है। उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है और एजेंसियों ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। लेकिन राज्यपाल ने मंजूरी नहीं दी है।

शिवकुमार ने कहा कि, हमने राज्यपाल को एक सलाह दी थी, इसमें उनसे मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए कहा गया था। मुडा मामले में उन्होंने बिना किसी जांच के अभियोजन की मंजूरी दे दी। लेकिन अन्य मामलों में ऐसा क्यों नहीं किया गया। हमने इस संबंध में उनसे अपील की है। हम 31 अगस्त को राजभवन चलो मार्च निकाल रहे हैं और उन चार मामलों में मुकदमा चलाने के लिए उनकी मंजूरी की मांग करेंगे। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, हमारे बड़े भाई कुमारस्वामी सच्चे दिल से काम करते हैं। उनके खिलाफ 10 साल पहले मामला दर्ज हुआ था। 21 नवंबर 2023 को लोकायुक्त एसआईटी के अधिकारियों ने भी राज्यपाल को पत्र लिखा था। एसआईटी ने उनके खिलाफ राज्यपाल को 218 पन्नों की जांच रिपोर्ट सौंपी है। केंद्रीय मंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि, सच्चाई के लिए मशहूर कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने किसी भी चीज पर हस्ताक्षर नहीं किए। मैं उनके बयान से हैरान हूं। अगर उनका दावा है कि यह उनके हस्ताक्षर नहीं हैं, तो किसी ने जालसाजी की होगी। उन्होंने हस्ताक्षर की जालसाजी का आरोप लगाते हुए शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई? अगर उनके हस्ताक्षर वास्तव में जाली थे, तो क्या उन्हें कम से कम पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करानी चाहिए थी?

शिवकुमार ने कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान खनन के लिए 500 एकड़ से अधिक भूमि के कथित अवैध आवंटन के मामले का जिक्र करते हुए यह बात कही।

शिवकुमार ने कहा, जिसने भी यह जालसाजी की है, उसके खिलाफ शिकायत दर्ज की जानी चाहिए। मैं कुमारस्वामी से अनुरोध करता हूं कि वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अपने हस्ताक्षर की जालसाजी के बारे में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। आज तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

अगर वह पुलिस स्टेशन में मेल के जरिए भी शिकायत दर्ज कराते हैं, तो हम इस मामले की जांच करेंगे कि किसने उनके हस्ताक्षर की जालसाजी की है। उन्होंने कहा, पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के कार्यकाल के दौरान कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। हमें बताएं कि उनके खिलाफ किसने साजिश रची थी। कुमारस्वामी ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा भी दाखिल किया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने खुद ही पट्टे की मंजूरी की सिफारिश की थी। जब उन्होंने खुद ही स्वीकार किया है, तो यह संदिग्ध लगता है। इसलिए मैं राज्यपाल से कार्रवाई की अपील करता हूं। कांग्रेस ने इससे पहले 19 अगस्त को राज्यपाल के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया था।

हरियाणा की बादशाहपुर विधानसभा सीट पर लगी भाजपा नेताओं की लाइन

बादशाहपुर, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और टिकटों के लिए दावेदारी पेश करने का दौर जारी है। खबर है कि राज्य के बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट के लिए भारतीय जनता पार्टी के कई दिग्गज दावा पेश कर रहे हैं। हालांकि, पार्टी ने अब तक उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया है। आने वाले दो दिनों में भाजपा कैंडिडेट्स के लिए बड़ी बैठक करने जा रही है। जम्मू और कश्मीर के साथ हरियाणा के भी चुनाव परिणाम 4 अक्टूबर को घोषित होंगे।

सीट का हाल : एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के पूर्व हस्ष्ठ जवाहर यादव, पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल यादव और पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह इस सीट से दावा पेश कर रहे हैं। खास बात है कि मतदाताओं की संख्या के लिहाज से भी यह राज्य की सबसे बड़ी सीट है। गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली 9 सीटों में से एक बादशाहपुर सेगमेंट में 4.5 लाख मतदाता हैं। रिपोर्ट में भाजपा के अनुमान के हवाले से बताया गया कि बादशाहपुर में करीब 1.25 लाख अहीर (यादव), 60 हजार जाट, 50 हजार अनुसूचित जाति के सदस्य, 35 हजार ब्राह्मण और 30 हजार पंजाबी हैं। साथ ही यहां गुज्जर, राजपूत और मुस्लिम वोटर भी हैं।

क्यों है बादशाहपुर में इतनी हलचल : रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के चलते तीन उम्मीदवार इस सीट को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। दरअसल, भाजपा ने सबसे ज्यादा 1.2 लाख वोट इसी विधानसभा क्षेत्र से हासिल किए हैं। राज्य में पार्टी ने 5 लोकसभा सीटें जीतने में सफलता हासिल की थी, जिसमें गुड़गांव सीट भी शामिल है। खबर है कि जवाहर अपने किए विकास कार्यों के चलते लोगों का समर्थन होने का दावा कर रहे हैं। वहीं, नरबीर का दावा है कि उन्हें सरपंचों का समर्थन हासिल है। साथ ही यह भी कहना है कि उनके विधायक कार्यकाल में क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास हुआ।

अनिल विज ने कहा - कांग्रेस नेता ऐसे लड़ते हैं जैसे सब्जी मंडी में आढ़ती

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री अनिल विज ने बिना कोई भूमिका बांधे कांग्रेस को आईना दिखाते हुए कहा कि यह पार्टी अब चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की जनता भी इसे खारिज कर चुकी है, लेकिन इसके नेता इस बात को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। अनिल विज ने कांग्रेस में समन्वय का अभाव बताते हुए कहा, जिस तरह से किसी सब्जी मंडी में आढ़ती आपस में लड़ते हैं, ठीक उसी प्रकार से मौजूदा समय में कांग्रेस नेता आपस में लड़ रहे हैं। स्पष्ट है कि इनके बीच में तालमेल का अभाव है, इसलिए कांग्रेस की मौजूदा स्थिति अव्यवस्थित बनी हुई है। उन्होंने आगे सवालिया लहजे में कहा, जिस पार्टी में पिछले 16 सालों से संगठन का चुनाव न हुआ हो, उसे जनता क्यों स्वीकार करना चाहेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि कांग्रेस पार्टी की मान्यता रद्द कर इसका चुनाव चिन्ह भी बदल देना चाहिए, क्योंकि अब यह पार्टी चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की पार्टी किसी भी देश की राजनीति में बोझ ही बनती है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करना उचित नहीं रहेगा। इस बीच, जब उनसे क्षेत्रीय दलों के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि अब हरियाणा में क्षेत्रीय दल चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं रह गए हैं। जनता इसे सिरे से खारिज कर चुकी है। ऐसे दलों को अब हमें दरकिनार कर देना चाहिए।

240 वाली जीत के बाद भी कितने लोग साथ, भाजपा सदस्यता अभियान से आंकेगी ताकत

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा जनवरी 2025 तक नए अध्यक्ष का चुनाव करने वाली है। इससे पहले पार्टी सदस्यता अभियान चलाने जा रही है, जिसके पहले चरण की शुरुआत 2 सितंबर से होगी। इसके तहत मिस्ड कॉल, वॉट्सऐप और नमो ऐप के जरिए लोगों को भाजपा का सदस्य बनने का मौका मिलेगा। इसके अलावा क्यूआर कोड स्कैन करके भी मेंबरशिप ली जा सकती है। भाजपा अकसर सदस्यता अभियान चलाती है। लेकिन इस बार यह अहम है क्योंकि लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीतने के बाद वह देखना चाहेगी कि आखिर लोगों में उससे जुड़ने के लिए कितना उत्साह है। इससे पहले 2015 में जब अमित शाह के नेतृत्व में व्यापक अभियान चला था तो भाजपा ने 18 करोड़ मेंबर्स का दावा किया था। इसके आधार पर ही भाजपा ने खुद को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल कहना शुरू किया था। भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि पार्टी हर 6 महीने पर सक्रिय सदस्यतों को दोबारा से मेंबरशिप देती है।

कोरोना के चलते यह प्रक्रिया रुक गई थी। पीएम नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा इस अभियान का 2 सितंबर की शाम को शुभारंभ करेंगे। वहीं नए सदस्यों के लिए भाजपा हर तीन साल पर अभियान चलाती है। मिस्ड कॉल से मेंबर बनाने वाले कॉन्सेप्ट भी अमित शाह के अध्यक्ष रहने के दौरान ही साम ने आया था। इस बार भाजपा यह देखना चाहेगी कि उसके साथ कितने मेंबर जुड़ते हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अबकी बार 400 पार का नारा दिया

था, लेकिन नतीजे आए तो 240 पर ही ठहर गई। ऐसे में वह अपनी ताकत को भी आंकना चाहेगी कि आखिर जमीनी स्तर पर अब भी कितने लोग उसके साथ जुड़ने के इच्छुक हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को भी ऐक्टिव करने की कोशिश की जाएगी। माना जा रहा है कि पिछला रिकॉर्ड तोड़ पाना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा सक्रिय सदस्यों की संख्या को बढ़ाने के लिए भी पार्टी को जोर लगाना पड़ेगा। बता दें कि भाजपा में सक्रिय सदस्य ही पार्टी के संगठन चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं। इन्हीं कार्यकर्ताओं को मंडल अध्यक्ष से लेकर ऊपर तक के पदों पर चुनाव लड़ने का मौका मिलता है। सदस्यता अभियान के पहले चरण की शुरुआत 25 सितंबर से होगी, जबकि दूसरा राउंड 1 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। पार्टी इस अभियान के दौरान यूपी, बिहार, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान जैसे इलाकों में लोगों का रुख जानना चाहेगी। वह देखना चाहेगी कि लोगों का रुख उसके प्रति गर्माहट भरा है या फिर लोग भाजपा से जुड़ने के लिए उदासीन हैं।

इन्फ्लुएंसर्स पर मेहरबान योगी सरकार

योजनाओं के प्रचार वाले ट्वीट, रील वीडियो से 8 लाख महीने तक की कमाई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने यूपी डिजिटल मीडिया नीति 2024 का ऐलान कर दिया। योगी सरकार की नीति एक्स, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यू-ट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अच्छा-खासा फॉलोअर रखने वाले इन्फ्लुएंसर्स पर मेहरबान है। सोशल मीडिया के इन्फ्लुएंसर यूपी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का गुणगान और बखान करके हर महीने 2 से 8 लाख रुपए तक की कमाई कर सकते हैं। सरकार ने इसके लिए फॉलोअर या सब्सक्राइबर संख्या के आधार पर इन्फ्लुएंसर्स की चार श्रेणियां (कैटेगरी) बनाई है। इन्हें सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने पर प्रति माह अलग-अलग निर्धारित रेट पर भुगतान की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजय प्रसाद ने एक बयान में कहा है कि यूपी डिजिटल मीडिया पॉलिसी 2024 के जारी होने से देश-विदेश में रह रहे यूपी के लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार का मौका भी मिलेगा। इस नीति का फायदा उठाने के लिए एजेंसी या इन्फ्लुएंसर्स को सरकार के पास रजिस्टर करना होगा जिसके बाद उन्हें विज्ञापन जारी होंगे। सरकार का मकसद है कि डिजिटल मीडिया के जरिए विकास और जन कल्याण की योजनाओं के साथ-साथ उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

यूपी डिजिटल मीडिया नीति 2024 के तहत एजेंसी या इन्फ्लुएंसर्स को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर कंटेंट, वीडियो, ट्वीट, पोस्ट और रील्स बनाने हैं जिसके लिए उन्हें नकद भुगतान के जरिए प्रोत्साहित किया जाएगा। फॉलोअर की संख्या के आधार पर बनाई गई चार श्रेणियों में एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक वालों को 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख और 5 लाख रुपए महीने मिल सकता है। यू-ट्यूब पर विज्ञापन का वीडियो, शॉर्ट्स या पॉडकास्ट बनाने पर चार कैटेगरी में 4 लाख, 6 लाख, 7 लाख और 8 लाख रुपए तक का भुगतान किया जाएगा। यूपी सरकार ने डिजिटल मीडिया नीति 2024 में कुछ चीजों पर पाबंदी भी लगाई है जो गैर-कानूनी हैं। सरकार ने कहा है कि कोई भी कंटेंट किसी भी स्थिति में अभद्र, अश्लील और राष्ट्र विरोधी नहीं होना चाहिए। सरकार ने चेतावनी दी है कि आपत्तिजनक कंटेंट छापने पर संबंधित इन्फ्लुएंसर या एजेंसी पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

आनंद मोहन ने दी राजस्थान बीजेपी में गुटबाजी को हवा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान बीजेपी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ का कथित अपमान का मुद्दा गर्माया हुआ है। अब बिहार के नेता आनंद मोहन ने राजेंद्र राठौड़ की उपेक्षा का मुद्दा उठाकर गुटबाजी को हवा दे दी है। बता दें हाल ही में प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने राठौड़ के प्रति नाराजगी जाहिर की थी। उसके बाद से ही राठौड़ समर्थकों में गुस्सा है। अब बिहार के नेता आनंद मोहन ने राजेंद्र राठौड़ की उपेक्षा का उल्लेख कर गुटबाजी को हवा दे दी है।

दरअसल, राजधानी जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राजपूत करणी सेना के संस्थापक लोकेंद्र सिंह कालवी की जयंती समारोह को संबोधित करते हुए आनंद मोहन ने कहा कि राजेंद्र राठौड़ को राज्यसभा भेजना चाहिए। कहां- ऐरे-गैरे को राज्यसभा भेजने के बजाए.. सही आदमी को सम्मान मिले। आनंद मोहन ने इशारों में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को राज्यसभा बनाने का किया विरोध किया है। खास बात यह है कि जब आनंद मोहन की बात का राजेंद्र राठौड़ ने मुस्कराकर सहमति जता दी। उसी समय राजेंद्र राठौड़ के बगल में डिप्टी सीएम दिया कुमारी भी मौजूद थी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में राज्यसभा की एक मात्र सीट के लिए बीजेपी ने रवनीत सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया है। बिट्टू राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए है।

हालांकि बिहार के दिग्गज नेता आनंद मोहन ने इसका विरोध किया है। उन्होंने आयोजन में राजस्थान में बीजेपी के हालातों पर चर्चा करते हुए कहा कि राजेंद्र राठौड़ की उपेक्षा ठीक नहीं है। आनंद मोहन का अब इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुई बीजेपी के सदस्यता अभियान की बैठक में कई सीनियर नेता, मंत्री और विधायक गायब रहे तो राजस्थान बीजेपी के प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल ने क्लास ले ली। अग्रवाल ने सबसे अधिक क्लास वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ की लगाई। राठौड़ बैठक में आए लेकिन बीच में ही चले गए। अग्रवाल ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से कहा कि वो पूछे राठौड़ बैठक छोड़कर क्यों गए। चेतावनी भी दी कि उनकी नजर सब पर है किसी को बख्शेंगे नहीं। अग्रवाल का चेतावनी वाला वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। अग्रवाल के बयान से राजेंद्र राठौड़ के समर्थक भड़क गए। सोशल मीडिया पर भी राठौड़ समर्थकों ने एक्स पर ट्रेंड चलाया।

प्रवासी कार्यकर्ताओं का अनुभव हरियाणा में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाने में करेगा मदद: नायब सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। रोहतक के भाजपा प्रदेश कार्यालय ''मंगल कमल'' में पड़ौसी राज्यों से आए प्रवासी कार्यकर्ताओं की बैठक में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी ताकत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा हरियाणा में हैट्रिक लगाने जा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव में तीसरी बार कांग्रेस का सफाया करेंगे। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से आए प्रवासी कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए सीएम सैनी ने कहा कि आप सभी लोग अनुभवी हैं, चुनाव लड़ने और चुनाव लड़ाने का अनुभव हैं। उन्होंने कहा आप सभी समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत और अनुभव से तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनेगी। प्रवासी कार्यकर्ताओं की इस बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल कौशिक, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता आदि मौजूद रहे। नायब सैनी ने कहा कि पहले भी चुनाव के दौरान भाजपा के सभी चुनाव में सहयोग करने आए प्रवासी कार्यकर्ताओं, नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों का कार्य सराहनीय और प्रशंसनीय रहा है। हरियाणा के इस चुनावी समर में आप लोगों का योगदान भी काफी महत्वपूर्ण

रहने वाला है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के अंदर दूसरे राज्यों से आए प्रवासी काफी संख्या में रहते हैं। हरियाणा ऐसा राज्य है जहां प्रवासी भाईयों का पूरा मान और सम्मान होता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि यहां के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर आप लोग प्रवासी लोगों से मिलें और उन्हें पार्टी की नीतियों से अवगत कराएं तथा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता, साल के हर दिन, चौबीसों घंटे देश की सेवा करता है। अब चुनाव में समय कम बचा है, इसलिए सभी लोगों को नई ऊर्जा, नए जोश के साथ काम करना है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रवासी कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन कर सुशासन स्थापित किया है। हरियाणा में युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरियां दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जहां किसानों की 100 प्रतिशत फसल को एमएसपी पर खरीदने की गारंटी भाजपा सरकार ने दी है। हरियाणा की भाजपा सरकार ने युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के हित में अनेकों योजना बनाकर उनका मजबूती से विकास किया है और सशक्त बनाया हैं। श्री सैनी ने सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए कहा कि आप लोग चुनाव के दौरान अलग-अलग स्थानों पर जाएंगे, इसलिए पार्टी की नीतियों से भी लोगों को जोड़ने का काम करें। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देशभर में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी कम समय में अनेकों जनहित के निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ऐसे सीएम हैं जिनके घर के दरवाजें लोगों के लिए 24 घंटे खुले रहते हैं। मुख्यमंत्री की कार्यशैली से लोग प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी प्रवासी कार्यकर्ता और पदाधिकारी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का सामूहिक प्रयास करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान कराएं। प्रवासी कार्यकर्ताओं का चुनाव प्रचार का अनुभव अवश्य ही भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाने में काम आएगा।

जहीर खान लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटॉर नियुक्त

कोलकाता, एजेंसी। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को बुधवार को कोलकाता में आरपीएसजी ग्रुप मुख्यालय में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) का मेंटॉर नियुक्त किया गया ।

एलएसजी फ्रेंचाइजी के मालिक आरपीएसजी ग्रुप ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, आपकी सारी अटकलें यहीं खत्म होती हैं! रिवर्स स्विंग के बादशाह, भारतीय दिग्गज ज़हीरखान ने लखनऊ टीम के मेंटॉर के रूप में कार्यभार संभाला।

आईपीएल 2023 के बाद गौतम गंभीर के बाहर होने के बाद जहीर एलएसजी में खाली हुई मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे। गंभीर बाद में इस साल कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटॉर बने और उन्हें चेन्नई में अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाया। जुलाई में, वह राहुल द्रविड़ के बाद भारत के पुरुष टीम के मुख्य कोच बने। 45 वर्षीय जहीर एलएसजी के कोचिंग सेट-अप में शामिल हुए, जिसमें जस्टिन लैंगर मुख्य कोच थे, साथ ही लांस क्लूजनर और एडम वोजेस सहायक कोच थे। मोर्ने मोर्कल के भारतीय टीम में वही पद संभालने के बाद से टीम के पास अभी तक कोई गेंदबाजी कोच नहीं है। एक खिलाड़ी के रूप में, जहीर ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 मैच खेले और 7.58 की इकॉनमी रेट से 102 विकेट लिए।

विभिन्न रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत की 2011 वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य जहीर फ्रेंचाइजी के प्रतिभा विकास कार्यक्रम प्रमुख भी होंगे, हालांकि इस पर आधिकारिक बयान आना बाकी है। वह पहले 2018 से 2022 तक मुंबई इंडियंस (एमआई) फ्रेंचाइजी से जुड़े थे, जहां उन्होंने पहले क्रिकेट के निदेशक और फिर वैश्विक विकास के प्रमुख के रूप में कार्य किया।

आईपीएल 2023 और 2024 सीज़न में पूर्व तेज गेंदबाज डिजिटल ब्रॉडकास्टर्स जियोसिनेमा की कमेंट्री टीम के सदस्य बने।

एलएसजी को 2022 में संजीव गोयनका ने 7090 करोड़ रुपये में खरीदा था और इसका घरेलू मैदान लखनऊ के बीआरएसएबीवी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में है। दो बार एलिमिनेटर मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा से बाहर होने से पहले, टीम आईपीएल 2022 और 2023 सीज़न में प्लेऑफ़ में पहुंची। नकारात्मक नेट रन रेट (एनआरआर) के कारण एलएसजी आईपीएल 2024 में प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गया, जिसके कारण वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे।

धवन के बाद दिनेश कार्तिक भी खेलेंगे लीजेंड्स लीग, इतनी तारीख को होगी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। शिखर धवन के लीजेंड्स लीग क्रिकेट के आगामी सीजन में शामिल होने की घोषणा के एक दिन बाद, भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें शामिल हो गए हैं। कार्तिक ने इस साल जून में इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीज़न की समाप्ति के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कैश-रिच लीग में अपने अंतिम कार्यकाल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया। मध्य क्रम में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते कार्तिक कमेंटेटर के तौर पर भी असाधारण काम कर रहे हैं। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने एलएलसी में शामिल होने के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और कहा कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेलना निश्चित रूप से एक ऐसी चीज है जिसका मैं अपनी सेवानिवृत्ति के बाद इंतजार कर रहा हूं। मैं मानसिक और शारीरिक रूप से इस कार्य के लिए तैयार हूं और खेलने के लिए उत्सुक हूं। क्रिकेट का वह ब्रांड जिसका मैंने हमेशा आनंद लिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं एक बार फिर मैदान पर आपका मनोरंजन करूंगा। दिनेश कार्तिक ने तीनों प्रारूपों के 180 मैचों में एक टेस्ट शतक और 17 अर्धशतकों के साथ 3,463 रन बनाए। उन्होंने विकेट के पीछे 172 शिकार भी किए। आईपीएल के 257 मैचों में वह 4,842 रन बनाने में सफल रहे। कार्तिक ने 17 साल में आईपीएल की 6 फ्रेंचाइजी के लिए खेला।

विराट कोहली ने जय शाह को आईसीसी का नया चेयरमैन चुने जाने पर बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने जय शाह को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का नया अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी है। मंगलवार को, शाह, जो वर्तमान में बीसीसीआई सचिव हैं, को निर्विरोध आईसीसी के नए अध्यक्ष के रूप में चुना गया और उन्होंने इस भूमिका में ग्रेग बार्कले की जगह ली।

वह 1 दिसंबर को सबसे कम उम्र के आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना तीन साल का कार्यकाल शुरू करेंगे। जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद शाह आईसीसी में शीर्ष पद पर रहने वाले पांचवें भारतीय हैं। कोहली ने एक्स पर एक बधाई पोस्ट में लिखा, आईसीसी चेयरमैन चुने जाने पर जय शाह को बहुत-बहुत बधाई। आपको आगे बड़ी सफलता की शुभकामनाएं।

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली, जिन्होंने 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, ने भी एक्स के माध्यम से शाह

को बधाई दी। जय शाह को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में उनकी नई भूमिका के लिए बधाई.. उनकी आगे की शानदार यात्रा के लिए शुभकामनाएं।

भारत की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज ने एक्स पर लिखा, सबसे कम उम्र के आईसीसी चेयरमैन चुने जाने पर जय शाह सर को बधाई। क्रिकेट के वैश्विक विस्तार के लिए आपका दृष्टिकोण और खेल को अधिक समावेशी बनाने पर ध्यान निस्संदेह खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। आपके प्रभाव को विश्व क्रिकेट के भविष्य को आकार देते देखने के लिए उत्सुक हूँ! शाह ने 2009 में गुजरात में अपने क्रिकेट प्रशासन करियर की शुरुआत की और अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई सचिव बन गए, इस पद को वह आईसीसी चेयरमैनशिप लेने के लिए छोड़ देंगे। वह आईसीसी की वित्त और वाणिज्यिक मामलों की समिति के प्रमुख का पद भी छोड़ देंगे। शाह ने 2021 से 2024 तक एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

भारत के तेज़ गेंदबाज़ी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने एक्स पर कहा, बधाई हो जय शाह भाई! खेल के प्रति आपका जुनून इसे अगले स्तर तक ले जाना सुनिश्चित करेगा। आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ!

भारत के पुरुष विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने एक्स पर लिखा, सबसे कम उम्र के आईसीसी चेयरमैन चुने जाने पर जय शाह भाई को बधाई! आपकी अविश्वसनीय दूरदृष्टि और नेतृत्व कौशल क्रिकेट को नई वैश्विक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। आपके मंगलमय होने की कामना!

भारत के ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने एक्स पर टिप्पणी की, बहुत-बहुत बधाई जय शाह सर। मुझे यकीन है कि आप अपने दृष्टिकोण से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों और नए क्षेत्रों में ले जाएंगे।

दुनिया के पूर्व नंबर 1 टी20 बल्लेबाज David Malan ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 में दुनिया के पूर्व नंबर 1 बल्लेबाज इंग्लैंड क्रिकेट के प्रमुख क्रिकेटर डेविड मालन ने बुधवार (28 अगस्त) को विभिन्न प्रारूपों में 100 से अधिक खेलों में अपने शानदार करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। मालन ने जून 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20आई में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कार्डिफ में इंग्लैंड के लिए अपनी पहली पारी में 44 गेंदों पर 78 रन बनाए जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे। उन्होंने 62 टी20आई में श्री लायंस का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 103 नाबाद के उचतम स्कोर के साथ 1892 रन बनाए। एक ही श्रृंखला में अपना टी20आई और टेस्ट डेब्यू करने के बाद मालन को इंग्लैंड के लिए अपना पहला वनडे खेलने के लिए लगभग दो साल इंतजार करना पड़ा। आक्रामक शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने राष्ट्रीय टीम के लिए 30 50 ओवर के मैच खेले, जिसमें 55.76 की औसत और 97.44 की स्ट्राइक रेट से 1450 रन बनाए। उन्होंने जून 2022 और सितंबर 2023 के बीच 15 पारियों के अंतराल में पांच शतक बनाए। इस बीच मालन के करियर का सर्वोच्च बिंदु सितंबर 2020 में आया जब वह टी20आई क्रिकेट के लिए आईसीसी की बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए और अगले मार्च में वह सिर्फ 24 पारियों में इस प्रारूप में 1000 रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज पुरुष खिलाड़ी बन गए। वह 2022 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की विश्व कप विजेता टीम का भी हिस्सा थे। लेकिन खब्बू बल्लेबाज कमर की चोट के कारण नॉकआउट चरणों से चूक गए।

चोट से वापसी करना सबसे बड़ी चुनौती थी: टॉड मर्फी

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर टॉड मर्फी गर्मियों में चोट और फॉर्म में गिरावट से जूझने के बाद नाथन लियोन के असली उत्तराधिकारी के रूप में अपना दर्जा दोबारा हासिल करने के मिशन पर हैं।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की आशाजनक शुरुआत के बाद, जिसमें उन्हें विराट कोहली और बेन स्टोक्स जैसे महान क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए देखा गया, 23 वर्षीय ऑफ स्पिनर को अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण सीज़न का सामना करना पड़ा। हालाँकि, मर्फी वापसी करने और ऑस्ट्रेलिया के अगले शीर्ष स्पिनर के रूप में अपनी जगह फिर से पक्की करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मर्फी ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के भारत और यूनाइटेड किंगडम के कठिन टेस्ट दौरों के दौरान लियोन के साथ खेला था। अनुभवी ऑफ स्पिनर के चोट के कारण बाहर हो जाने के बाद लियोन के स्थान पर कदम रखते हुए, मर्फी ने तत्काल प्रभाव डाला और विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विकेट लिए।

हालाँकि, 2023-24 का घरेलू सीज़न एक अलग कहानी साबित हुआ। मर्फी ने शेफ़ील्ड शील्ड अभियान में देश की सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में प्रवेश किया, लेकिन लगातार दाहिने कंधे की चोट से

जूझने के कारण उनकी फॉर्म प्रभावित हुई। चोट ने उन्हें पूरे सीज़न में परेशान किया, जिससे उनकी प्रभावशीलता सीमित हो गई और वे निराश हो गए और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में असमर्थ हो गए।

मर्फी ने कहा, मुझे लगता है कि यह शायद सबसे बड़ी चुनौती थी।मैंने इसे ऐसे तैयार किया जैसे यह मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण गर्मियां होने वाली थीं, और मैं वास्तव में इसके (उनके टेस्ट प्रदर्शन) बाद अछा प्रदर्शन करना चाहता था। फिर दुर्भाग्य से यह उस तरह से नहीं खेला।

दुर्भाग्य से यह उस तरह से नहीं हुआ। यह पूरे रास्ते चुनौतीपूर्ण था, और मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा हूं। लेकिन मुझे लगता है कि यह उन (अनुभवों) में से एक था जिसे आप पीछे मुड़कर देखते हैं और आप इसमें से कुछ निकालिए। मैंने अपने बारे में कुछ चीजें सीखीं और यह भी कि मैं आगे चलकर खेलों के बारे में कैसे सोचूंगा।

38 की औसत से 17 विकेट लेने में कामयाब होने के बावजूद, मर्फी को पता था कि वह उस गेंदबाज से बहुत दूर थे जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावित किया था। उनके कंधे का दर्द लगातार बना रहा, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित हुआ और उनका सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करना मुश्किल हो गया।

पिछले सीज़न में मर्फी का संघर्ष एक कठिन सीखने का अनुभव रहा है, उनका मानना है कि यह उन्हें लंबे समय में एक बेहतर क्रिकेटर बनाएगा। उन्होंने कहा, यह पूरे रास्ते चुनौतीपूर्ण था और मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा हूं।लेकिन मुझे लगता है कि यह उन (अनुभवों) में से एक था जिसे आप पीछे मुड़कर देखते हैं और आप उसमें से कुछ सीखते हैं।

रोहित, कोहली, बुमराह को अछी तरह से आराम दिया गया है, उन्हें दलीप ट्रॉफी के लिए चुना जा सकता था: मांजरेकर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने सुझाव दिया है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए चुना जाना चाहिए था, क्योंकि ये तिकड़ी अछी तरह से आराम पाने वाले खिलाड़ी हैं। दलीप ट्रॉफी में 5 सितंबर को बेंगलुरु और अनंतपुर में भारत के घरेलू सत्र के पहले दौर में कई टेस्ट टीम के नियमित खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट का प्रारूप भी बदल दिया गया है - जोनल प्रारूप ने चार टीमों के लिए रास्ता बना दिया है - भारत ए, इंडिया बी, इंडिया सी और इंडिया डी जिन्हें अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली चयन समिति द्वारा चुना गया।

लेकिन भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित, कोहली, बुमराह और रविचंद्रन अश्विन के साथ दलीप ट्रॉफी के पहले दौर का हिस्सा नहीं होंगे। मांजरेकर ने एक्स पर कहा, भारत ने पिछले 5 वर्षों में 249 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। रोहित ने उनमें से केवल 59 प्रतिशत ही खेले हैं. विराट 61 प्रतिशत और बुमराह 34 प्रतिशत। मैं उन्हें भारत के विश्राम प्राप्त खिलाड़ियों के रूप में देखता हूं। उन्हें दलीप ट्रॉफी के लिए चुना जा सकता था।

मंगलवार को, बीसीसीआई ने घोषणा की कि रवींद्र जडेजा को बिना कोई कारण बताए भागीदारी से मुक्त कर दिया गया है, जबकि मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक हाल की बीमारी से उबरने के कारण इसमें शामिल नहीं होंगे, उनके स्थान पर नवदीप सैनी और गौरव यादव को नामित किया गया है। दलीप ट्रॉफी यह पहचानने में महत्वपूर्ण होगी कि भारत किन मुख्य खिलाड़ियों पर भरोसा करेगा और व्यस्त टेस्ट कैलेंडर में उनकी तैयारी क्या रहेगी, जहां विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह तय की जानी बाकी है।

भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के साथ करेगा, जो 19 सितंबर को चेन्नई में शुरू होगी, उसके बाद 27 सितंबर को कानपुर में टेस्ट शुरू होगा। इसके बाद बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट होंगे। इसके बाद भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली बेहद महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए रवाना होगी।

जय शाह की आईसीसी में एंट्री, बनाया गया उन्हें नया चेयरमैन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह को आईसीसी का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह निर्विरोध आईसीसी के नए चेयरमैन बने हैं। उनका कार्यकाल 1 दिसंबर 2024 से शुरू होगा। जय शाह से पहले भारत के जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर आईसीसी के अध्यक्ष रह चुके हैं।

हॉकी इंडिया ने किया 18 सदस्यीय पुरुष टीम का एलान, इन्हें मिला गोलकीपिंग का जिम्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। आठ से 17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने बुधवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपना प्रभाव छोड़ने के लिए तैयार है। आठ से 17 सितंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए हॉकी इंडिया ने बुधवार को 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे।

कृष्ण बहादुर पाठक बने मुख्य

गोलकीपर

भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण बहादुर पाठक को भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था। पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे, जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे।

अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है। भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा। वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं। अराइजीत सिंह हुंडल टीम में तीसरे ड्रैग फ्लिकर होंगे। डिफेंस का जिम्मा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित पर होगा। वहीं मिडफील्ड में राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में अभिषेक, सुखजीत सिंह, हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह रहेंगे।

चीन के खिलाफ मैच से अभियान की शुरुआत करेगा भारत

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के 10 सदस्य इस टीम में हैं। भारतीय टीम आठ सितंबर को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद जापान (नौ सितंबर), मलेशिया (11 सितंबर), कोरिया (12 सितंबर) और पाकिस्तान (14 सितंबर) से खेलना है। सेमीफाइनल 16 सितंबर को और फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

मिल गया पीआर श्रीजेश का उत्तराधिकारी ! एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय हॉकी टीम में पाठक होंगे गोलकीपर

नई दिल्ली, एजेंसी। पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृशन बहादुर पाठक को हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है। भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे। यह टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर तक खेला जाएगा। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था। पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे।

विवेक सागर प्रसाद बने उपकप्तान

अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है। नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है। भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा। वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं। अराइजीत सिंह हुंडल टीम में तीसरे ड्रैग फ्लिकर होंगे। डिफेंस का जिम्मा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित पर होगा। वहीं मिडफील्ड में राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में अभिषेक, सुखजीत सिंह, हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह रहेंगे।

गुजरात टाइटन्स के स्टार तेज गेंदबाज ने गर्लफ्रेंड सारा पेथरिक से सगाई, देखें तस्वीरें

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन ने अपनी गर्लफ्रेंड सारा पेथरिक से सगाई की आधिकारिक घोषणा कर दी है। आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलने वाले जॉनसन ने सोशल मीडिया पर इस खुशखबरी को साझा किया जिसमें जोड़े के खास पलों को कैद करने वाली तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की गई। जॉनसन ने सगाई को सार्वजनिक करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। उन्होंने सारा के साथ कुछ दिल को छू लेने वाली तस्वीरें साझा कीं। इस पोस्ट को 7,600 से अधिक लाइक मिले हैं जिसमें सारा गर्व से अपनी नई सगाई की अंगूठी दिखाती हुई दिखाई दे रही हैं। जोड़े ने पोस्ट को केवल मंगेतर शब्द के साथ कैप्शन दिया, जो एक-दूसरे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रशंसकों और फैंस ने कमेंट्स में बधाई

जोड़े को बधाई दी।

स्पेंसर जॉनसन और सारा पेथरिक की रिलेशनशिप टाइमलाइन जॉनसन और सारा का रिश्ता एक लंबी और सहायक यात्रा रही है। वे कई सालों से साथ हैं, अक्सर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पुरस्कार समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते देखे जाते हैं। साराह द हंड्रेड 2024 के दौरान स्पेंसर का उत्साहवर्धन करने के लिए यूके में भी मौजूद थीं जो उनके क्रिकेट करियर के लिए उनके अटूट समर्थन को दर्शाता है।

साराह को न केवल जॉनसन की पार्टनर के रूप में जाना जाता है बल्कि उनकी अपनी पेशेवर उपलब्धियां भी हैं। वह दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में आर्किटेक्चरल डिजाइन फर्म विलियम्स बर्टन लियोपार्डी के लिए काम करती हैं, जहां वह तीन साल से अधिक समय से कार्यरत हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय से स्नातक सारा ने जॉनसन की क्रिकेट यात्रा के उतार-चढ़ाव के दौरान उनका समर्थन करते हुए अपने करियर को संतुलित किया है जिसमें चोटों से उनकी रिकवरी भी शामिल है।

त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजी

निखरने की इंसानी चाह में उभरता कॅरियर

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

अन्य कार्य

कई बार शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण भी त्वचा संबंधी रोग हो जाते हैं। ऐसे में डर्मेटोलॉजिस्ट रोगियों की स्थिति को देखते हुए उनके लिए 'डाइट प्लान' भी तैयार करते हैं। इसी तरह वह रोगियों को व्यायाम के साथ त्वचा और बालों की देखरेख से संबंधित सलाह भी देते हैं। इसके अलावा मरीजों के उपचार से संबंधित चिकित्सकीय दस्तावेजों (दी गई दवाओं और पैथोलॉजिकल जांच से संबंधित) का प्रबंधन भी उनके कार्यक्षेत्र का एक हिस्सा है।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता

फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम की पढ़ाई की जा सकती है।

संभावनाएं

डर्मेटोलॉजी विषय के पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम की पढ़ाई के बाद आप किसी निजी अस्पताल, नर्सिंग होम या सरकारी डिस्पेंसरी में डर्मेटोलॉजिस्ट के तौर पर काम कर सकते हैं। शिक्षण कार्य में रुचि होने पर आप किसी मेडिकल कॉलेज, यूनिवर्सिटी या इंस्टीटयूट में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में अध्यापन या शोध-कार्यों का निर्देशन भी कर सकते हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विषय

- मेडिकल डर्मेटोलॉजी
- सर्जिकल डर्मेटोलॉजी
- डर्मेटोपैथोलॉजी
- हेअर एंड नेल डिस्ऑर्डर्स
- जेनिटल स्किन डिजीज
- पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी
- इम्यूनोडर्मेटोलॉजी
- पब्लिस्टरिंग डिस्ऑर्डर्स
- कनेक्टिव टिश्यू डिजीज
- फोटोडर्मेटोलॉजी
- कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी
- जेनेटिक स्किन डिजीज

जरूरी गुण

- अच्छा सौंदर्यबोध और स्वास्थ्य हो
- मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्वक संवाद करने में कुशलता हो
- हर तरह की स्थितियों से निपटने का पर्याप्त धैर्य हो
- भावनात्मक और मानसिक रूप से मजबूत हो
- दूसरों की मदद करने की इच्छा हो

इस फील्ड में करियर बना

घर बैठे कमा सकते है पैसा

अगर आप क्रिएटिव हैं और कुछ नया करना चाहते तो आप गेम डेवलपर बनकर अपना करियर बना सकते हैं। इस इंडस्ट्री में जॉब के तो कई मौके हैं ही साथ ही फ्रीलांसिंग करने का भी बड़ा स्कोप है। मात्र 1 साल के कोर्स से ही स्किल्स डेवलप की जा सकती हैं।

इन कोर्सेस के जरिए इम्रूव कर सकते हैं स्किल्स

सर्टिफिकेट कोर्स (12 से 15 माह)
गेम डिजाइन डिप्लोमा (1 साल)
क्रेश कोर्स (2 माह से 6 माह)

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- एरीना एनिमेशन एकेडमी
- मेक
- फ्रेमबॉक्स एनिमेशन एंड विजुअल इफेक्ट्स
- सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस

ऑनलाइन भी हैं कोर्सेस

गेम डेवलपर के लिए कोर्सेस ऑनलाइन भी मौजूद हैं। इनके जरिए आप घर में ही गेम डेवलपिंग सीख सकते हैं। इन वेबसाइट्स पर ऑफर किए जा रहे कोर्स- www.udemy.com, www.coursera.org

कौन कर सकता है

बीए, बीकॉम, साइंस या अन्य किसी स्ट्रीम से ग्रैजुएट स्टूडेंट्स भी इस कोर्स को कर सकते हैं। 12वीं तक पढ़ाई कर चुके स्टूडेंट्स भी कोर्स के लिए पात्र होते हैं।
ग्रैजुएशन में यदि किसी का टेक्निकल बैकग्राउंड है तो उसे और ज्यादा सपोर्ट मिल जाता है।

कहां मिलेगी जॉब

- स्किल डेवलप होने के बाद आप घर से ही ऑनलाइन काम शुरू सकते हैं। गेम डेवलप करके गूगल प्लेस्टोर पर अपलोड कर सकते हैं। यहां से गेम डाउनलोड होने पर आपको ऑनलाइन भुगतान प्राप्त होगा।
- खुद की वेबसाइट शुरु करके फ्रीलांसिंग शुरु कर सकते हैं। आउटसोर्सिंग के जरिए काम कर सकते हैं।
- दिल्ली, बैंगलुरु, हैदराबाद जैसे शहरों में बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां हैं जहां गेम डेवलपर्स की जरुरत है। आप यहां भी जॉब के लिए ट्राय कर सकते हैं।

कमाई

यदि आप जॉब करते हैं तो शुरुआत 12 से 15 हजार रुपए मासिक से हो जाती है। एक्सपर्ट मुदसर हसन का कहना है कि अच्छी स्किल्स डेवलप होने के बाद फ्रीलांसिंग में ही 15 से 20 हजार रुपए मासिक की इनकम हो जाती है।अनुभव होने के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों में तेजी से ग्रोथ मिलती है। फॉरेन की कंपनियां भी बड़े पैकेज पर टैलेंटेड लोगों को हायर करती हैं।

ऑनलाइन रेपुटेशन मैनेजमेंट यानी पीआर इंटरनेट

इंटरनेट की बढ़त के अगर कुछ फायदे हैं, तो निश्चित रूप से कुछ नुकसान भी हैं। लेकिन एक काबिलेगौर बात यह भी है कि ऑनलाइन दुनिया में उपस्थिति आज की जरूरत बन गई है। इंटरनेट आधारित ऑनलाइन दुनिया लगातार अपने पंख फैला रही है। इसका प्रभाव इंसानों के बीच के संवाद और सूचनाओं या ज्ञान के आपसी आदान-प्रदान पर पड़ रहा है। सूचनाओं और समाचारों का प्रवाह इस दुनिया में करीब-करीब प्रकाश की गति से कुछ इस तरह हो रहा है कि 36 घंटे में ही कोई सूचना या खबर पुरानी हो जारी रही है। फिर भी ऑनलाइन दुनिया में किसी समाचार या सूचना को पुराना करार दे दिए जाने का अर्थ यह नहीं है कि वह इंटरनेट से अदृश्य हो गई है।

इंटरनेट सर्च इंजनों की मदद से कभी-भी उन्हें खोजा जा सकता है। ऑनलाइन दुनिया के प्रभाव इंटरनेट के कारण आज की तारीख में किसी भी कंपनी या व्यक्ति की पहुंच दूर-दराज के क्षेत्रों तक हो गई है। इस सुविधा की मार्फत यदि कोई व्यक्ति आपके बारे में कुछ नकारात्मक कहता है या कोई अप्रासंगिक हो चुका सच बयान करता है, तो निश्चित रूप से आपके वर्तमान और भविष्य पर फर्क पड़ सकता है। ऐसी बातें किसी भी रूप में हो सकती हैं। संभव है इसमें आपको पिछली नौकरी से निकाले जाने की बात कही गई हो, आपकी व्यक्तिगत चिकित्सकीय स्थिति को सार्वजनिक किया गया हो या फिर कुछ ऐसा कहा गया हो जिसे आपने खुद तक सीमित रखा था। यहां तक कि आपके या किसी ब्रांड के बारे में की गई कोई नकारात्मक टिप्पणी भी वेब दुनिया में मौजूद रहकर लंबे समय तक प्रभावित करती है। चूंकि ऑनलाइन दुनिया में मौजूद हर एक शब्द बिना किसी खास प्रयास के सभी की पहुंच में रहता है। इस कारण वह शब्द और उनसे पहुंचने वाला संदेश प्राप्तकर्ताओं के बीच संबंधित (जिसके बार में संदेश हो) ब्रांड, उत्पाद, संगठन और व्यक्ति की त्वरित ढंग से एक छवि निर्मित करता है। कई कंपनियों के मालिकों ने अपने कर्मचारियों के लिए इंटरनेट के इस्तेमाल को निर्देशित करने वाली नीतियां भी तय कर दी हैं। कर्मचारियों को कैसे खुद को ऑनलाइन दुनिया में प्रस्तुत करना है, यह बात इन नीतियों में प्रमुख रूप से दर्शायी जाती है। एक आंकड़े के मुताबिक इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 27 प्रतिशत कर्मचारी ऐसे नियोक्ताओं के लिए काम करते हैं, जिन्होंने इंटरनेट के उपयोग को लेकर नीति बना रखी होती है।

कर्मचारी ब्लॉग या वेबसाइट पर क्या लिख सकते हैं और अपने बारे में किन-किन जानकारियों को दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं आदि बातें भी इंटरनेट के इस्तेमाल से जुड़ी नीतियों में उनके नियोक्ताओं ने शामिल कर दी हैं। क्या है रेपुटेशन मैनेजमेंट यह एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें किसी व्यक्ति या संस्थान (कॉर्पोरेट या नॉन-कॉर्पोरेट) की साख (प्रतिष्ठा) को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने का प्रयास किया जाता है। यह विषय काफी कुछ पब्लिक रिलेशन्स से मिलता-जुलता है, लेकिन इंटरनेट, सोशल मीडिया और कंप्यूटरों के बढ़ते उपयोग ने इसे अलग विषय-क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है। इस विषय के पेशेवर अपने क्लाइंट की प्रतिष्ठा पर नकारात्मक असर डालने वाले तत्वों के प्रभाव को समाप्त करने के उपाय करते हैं। ऑनलाइन रेपुटेशन मैनेजमेंट एक प्रक्रिया है, जिसमें सर्च इंजनों की मदद से आपके ब्रांड (कंपनी का हो या व्यक्तिगत) के बारे में इंटरनेट पर हो रही तरह-तरह की चर्चाओं की निगरानी की जाती है और उन्हें आंकड़ों के रूप में इकट्ठा किया जाता है। चर्चा नकारात्मक होने की दशा में ऑनलाइन रेपुटेशन मैनेजमेंट के पेशेवर अपने क्लाइंट या उसके ब्रांड के पक्ष में कंटेंट तैयार करते हैं और उसे इंटरनेट माध्यमों पर प्रसारित करके सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल करने की व्यवस्था करते हैं। उनका सिद्धांत होता है कि नकारात्मक बातों के विरुद्ध ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक बातों को इतना प्रचारित किया जाए कि नकारात्मकता अपने आप ही खत्म हो जाए। इस कार्य को ऑनलाइन दुनिया की पब्लिक रिलेशन्स सेवा भी कहा जा सकता है।

योग्यता

रेपुटेशन मैनेजमेंट विषय में फिलहाल कोई स्पेशलाइज्ड पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है। इसलिए इस क्षेत्र में बतौर पेशेवर कदम बढ़ाने के लिए मैनेजमेंट विषय में मास्टर डिग्री का होना पहली जरूरत है। इसके अलावा एडमिनिस्ट्रेशन या पब्लिक रिलेशन्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री या डिप्लोमा भी होना चाहिए। देश में प्रमुख रेपुटेशन मैनेजमेंट कंपनी ई-इंटेलिजेंस एसईओ वैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड परफोर्मेट्रिस एसईओ सर्विसेज एजेंसी बिट्स्कैप 'एसईओ इंडिया ऑनलाइन रेपुटेशन मैनेजर का काम ऑनलाइन रेपुटेशन बढ़ाने के लिए नई रणनीतियां बनाना। दुनियाभर में अपनाए जा रहे रेपुटेशन मैनेजमेंट के बेहतरीन तरीकों को अपनाना। विरोधियों द्वारा कराई गई नकारात्मक टिप्पणियों को प्रभावहीन करने के लिए उपाय करना। क्लाइंट के व्यावसायिक प्रतिद्वंद्वियों और उनकी रणनीतियों पर नजर रखना। जरूरी गुण किसी को ध्यान से सुनने का धैर्य अपने आइडिया को अच्छे से प्रस्तुत करने का हुनर लेखने की क्षमता और अच्छा संवाद कौशल स्टेटिस्टिक्स की बेहतर समझ दबाव में भी शांतिपूर्वक काम करने का गुण चुनौतियों से जूझने का जज्बा।

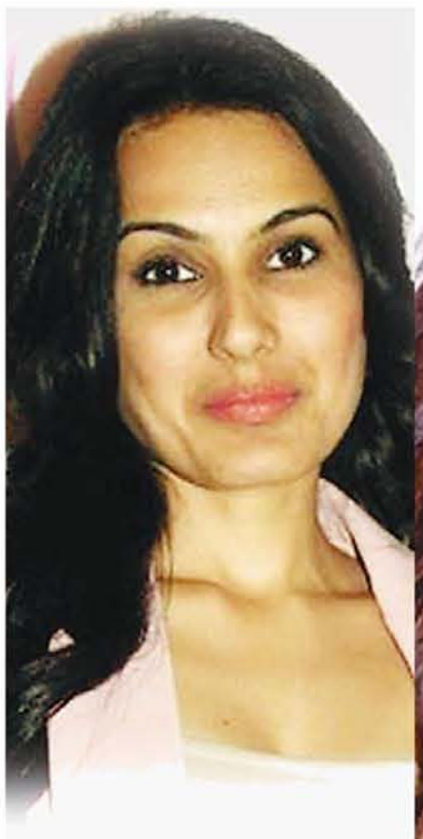

अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक उत्सव होगा

महिला समानता दिवस पर बात करते हुए अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने कहा कि अगर वास्तविक समानता हासिल कर ली जाए तो हर दिन एक उत्सव होगा। काम्या ने कहा, हम इसके बारे में बात करते हैं और इसका जश्न मनाते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक जश्न होगा। यह किसी खास दिन या अवसर तक सीमित नहीं होगा। दुर्भाग्य से हमें समाज में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। लोग कहते हैं कि चीजें बदल गई हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अभी भी भरोसे और विश्वास की कमी है। मुझे अक्सर लगता है कि समानता का विचार उन लोगों के लिए एक मजाक है, जो असमानताओं को नहीं देख पाते।

उन्होंने आगे कहा, मनोरंजन उद्योग में यह और भी मुश्किल है। यहां लोग एक-दूसरे का समर्थन करने के बजाय अपना स्टेटस बनाए रखने पर अधिक ध्यान देते हैं। समर्थन की यह कमी और असुरक्षा हमें पीछे धकेल देती है। अभिनेत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम ऐसे क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करना शुरू करें। मनोरंजन का मतलब दर्शकों का मनोरंजन करना है, लेकिन इसमें सामाजिक संदेश देने की भी शक्ति है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करते हुए बेहतरीन चीजें बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। टेलीविजन शो में महिलाओं के काम को लेकर काम्या ने कहा, एक समय था जब महिलाओं को अक्सर कमजोर दिखाया जाता था, इसके बावजूद भी वह अपने दम पर दृढ़ रहते हुए अपने परिवार का समर्थन करने में कामयाब रहीं। समय बहुत बदल गया है, और अब हम स्क्रीन पर महिलाओं को शक्तिशाली रूप में देख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार मोहिनी बहुत ही मजबूत और दृढ़ निश्चयी है। मेरा शो इश्क जबरिया भी दो महिलाओं के बीच के संघर्ष को दिखाता है कि कैसे वे कभी-कभी एक-दूसरे को नीचा दिखा सकती हैं। इसके अलावा शो का मुख्य किरदार गुलकी (सिद्धि शर्मा) एक मजबूत महिला है जो हार नहीं मानती और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती है। काम्या वर्तमान में सन नियो के इश्क जबरिया में काम कर रही है।

कृति सेनन ने बॉलीवुड का किया बचाव, कहा- फिल्मों से दर्शकों की अपेक्षाएं बढ़ीं

कृति सेनन ने इस वर्ष लगातार दो हिट फिल्में दी हैं। उन्होंने अपनी शानदार भूमिका से दर्शकों को प्रभावित भी किया। कृति अभिनय के साथ-साथ अपनी बातों को स्पष्टता से रखने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने निखिल कामथ के पॉडकास्ट शो में बॉलीवुड पर चर्चा की। इस दौरान शो में निखिल के द्वारा की गई टिप्पणी कि बॉलीवुड फिल्म उद्योग पहले की तरह बेहतर नहीं कर पा रहा, पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कृति ने इंडस्ट्री का बचाव करते हुए कहा कि आज के समय में दर्शकों की फिल्मों से अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। वहीं, जब पॉडकास्ट में कहा गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री की सफलता में गिरावट आई है और पहले की तरह लोगों को रोजगार देने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इस पर कृति ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने अपनी फिल्म 'क्रू' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का उदाहरण दिया। अभिनेत्री ने अपनी नजरिया साझा करते हुए विस्तार से बताया कि जहां एक समय 100 करोड़ रुपये कमाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हुआ करती थी, वहीं अब यह एक मामूली आंकड़ा बन गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि एक दौर ऐसा भी था जब बॉलीवुड फल-फूल नहीं रहा था, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अब थिएटर मजबूती के साथ वापसी कर रहे हैं। अभिनेत्री की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', जो 9 फरवरी, 2024 को रिलीज हुई को जबरदस्त सफलता मिली है। इस फिल्म में कृति ने 'सिफ्रा' नामक एक ह्यूमनॉइड रोबोट की भूमिका निभाई है। अभिनेत्री ने स्क्रीन पर दर्शकों को अपनी उपस्थिति से प्रभावित किया। वहीं, अपनी हालिया फिल्म 'क्रू' में कृति ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है और आलोचकों की प्रशंसा भी बटोरी है। करीना और तब्बू जैसी इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियों के साथ स्क्रीन साझा करने के बावजूद कृति का अभिनय शानदार रहा है, जिसने फिल्म की सफलता में अहम भूमिका निभाई। कृति के आगामी कार्यों की बात करें तो वह शशांक चतुर्वेदी की आगामी मिस्ट्री क्राइम-थ्रिलर 'दो पत्ती' नजर आएंगी।

बतौर होस्ट रातोंरात स्टार बन गई थीं शिबानी, रिएलिटी शो में फरहान के साथ बढ़ीं नजदीकियां

शिबानी दांडेकर बॉलीवुड की दुनिया का जाना माना नाम हैं। अभिनय में आने से पहले अभिनेत्री जिस भी शो की मेजबानी करतीं, उसमें एक नई जान फूंक देती थीं। एक्टिंग से पहले शिबानी ने मॉडलिंग की दुनिया में भी खूब नाम कमाया है। इसके बाद उन्होंने अभिनय इंडस्ट्री में कदम रखा था। शिबानी ने अपने करियर में ज्यादातर अंग्रेजी शो ही होस्ट किए. उन्होंने टीवी शो ग्रैमी नॉमिनी स्पेशल में भी बतौर होस्ट काम किया है। शिबानी दांडेकर का जन्म 27 अगस्त 1980 में हुआ था। अपनी पढ़ाई पूरी कर काम की तलाश में शिबानी 2001 में न्यूयॉर्क चली गई थीं। न्यूयॉर्क में अभिनेत्री ने अमेरिकन टीवी शो से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तीन टेलीविजन शो नमस्ते अमेरिका, वी देसी और एशियन वैरायटी को होस्ट किया। बतौर होस्ट शिबानी रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, शिबानी का जीवन तब बदला, जब उनकी जिंदगी में प्यार की एंट्री हुई और उन्होंने अपने प्यार फरहान अख्तर से शादी रचाई। फरहान और शिबानी के प्यार की शुरुआत एक एक रियलिटी शो के दौरान हुई थी। इस शो के होस्ट फरहान थे। वही, शिबानी इस शो की कंटेस्टेंट थीं। रिएलिटी शो के दौरान ही ऐसी अफवाहें उड़ने लगी थीं कि फरहान और शिबानी एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। यही नहीं, जल्द ही चारों तरफ दोनों के रिलेशनशिप की चर्चाएं भी शुरू हो गई थी। फरहान और शिबानी का प्यार जब सबको दिखने लगा तो उन्होंने ने भी बगैर छुपाए इसे दुनिया के सामने जाहिर कर दिया।

मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स भेड़िया 2 में दिखेगा खौफ-दहशत का मंजर

स्त्री 2 की आपार सफलता के बाद प्रशंसकों को मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। स्त्री 2 मैडॉक की पांचवीं फिल्म है। अब जल्द ही इसकी एक और फिल्म भेड़िया 2 रिलीज होने वाली है। वहीं स्त्री 3 को लेकर भी प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। सबसे पहले बात करते हैं फिल्म स्त्री की। इस फिल्म में ओ स्त्री कल आना को लेकर कहानी की शुरुआत होती है। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी और इस फिल्म को प्रशंसकों का काफी अच्छा रिस्पांस भी मिला था। अब इसके बाद इसका दूसरा भाग स्त्री 2 14 अगस्त 2024 को रिलीज हुआ है। फिल्म अभी भी सिनामागरों में अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। इस बार फिल्म में सरकटे का आतंक दिखाया गया है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। अब बात करें स्त्री 3 की। तो इस फिल्म में वैम्पायर एंगल नजर आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में वैम्पायर का रोल आयुष्मान खुराना निभाएंगे और उनके साथ इस फिल्म में रश्मिका मंदाना की जोड़ी देखने को मिलेगी। साल 2022 में रिलीज हुई निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब इस फिल्म का दूसरा भाग भेड़िया 2 को लेकर प्रशंसकों में बेहद उत्साह है। इस फिल्म में वरुण धवन एक बार फिर से खूंखार जानवर बनकर लौटेंगे। हालांकि, फिल्म की शूटिंग अभीतक शुरू नहीं हुई है। अब बात करें 7 जून 2024 को रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंजा की। इस फिल्म ने भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई और बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसका सीक्वल जल्द ही आएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंजा 2 में मैडॉक के आगे की फिल्म की झलक देखने को मिल सकती है, जैसे कि मुंजा में देखने को मिली थी।

मुझे साधारण इंसान का रोल करना है, क्योंकि डाकू और पुलिस का किरदार अब ज्यादा हो गया है

डांसर, होस्ट और अब एक्टर बने राघव जुयाल अपनी फिल्म किल और वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह को लेकर चर्चा में हैं। पिछले दिनों फिल्म किल में डाकू के रोल में वाहवाही लूटने वाले राघव जुयाल हाल ही ओटीटी पर पुलिस के रोल में भी दिखे। हमसे खास बातचीत में उन्होंने कहा कि अब वह किसी सामान्य इंसान का रोल करना चाहते हैं-

हाल फिलहाल में आप डाकू भी बन गए और पुलिस भी बन गए। अब क्या बनना है इसके बाद?

अब शायद LIC एजेंट बनना बाकी है। मेरा मतलब है कि मुझे एक सामान्य इंसान का रोल करना है, जिसकी एक नॉर्मल लाइफ हो। बंदा आराम से घर आ रहा है वापस। परिवार के साथ खा रहा है, पी रहा है। इधर पुलिस का रोल भी एक्सट्रीम हो गया, डाकू का भी हो गया। इसलिए ही कह रहा हूं कि अब मुझे नॉर्मल रोल दे दो।

अपनी हालिया वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में आप पिछले दिनों आई फिल्म किल से एकदम अपोजिट अंदाज में दिखे?

मैंने समझ लिया कि किल में इतना ज्यादा एक्शन होने की वजह से बच्चों की ऑडियंस मुझसे दूर हो गई थी। मुझे लगा कि फिर से अच्छा बच्चा बन जाना चाहिए। मेरी मम्मी ने जब किल फिल्म देखी, तो उन्होंने कहा कि तूने तो मुझे कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ा। तब उमेश सर ने उनसे बोला कि आप चिंता मत करो। मैं 1 महीने में इसकी इमेज सुधार दूंगा। वैसे मैं पिछले कुछ तीन-चार साल से अपनी इमेज ही सुधार रहा हूं।

आप लोगों ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग उत्तराखंड में की। आपने साथियों के साथ कोई प्रैंक तो नहीं किया?

हमारा शूटिंग का एक्सपीरियंस बहुत लाजवाब था। आउटडोर में शूटिंग का अलग ही मजा होता है। ऐसी रियल लोकेशन पर अगर हम किसी के साथ प्रैंक करेंगे, तो हमारे साथ ही प्रैंक हो जाएगा। वहां पर कभी हम पहाड़ की चोटी पर शूट कर रहे थे, तो कभी पहाड़ पर। आगे हजार फिट की खाई थी। हमने बहुत ठंडे मौसम मे शूट किया है। हर किसी ऐक्टर का सपना होता है किसी ऐसी स्क्रिप्ट का हिस्सा होना, मुझे अच्छा मौका मिला।

इस सीरीज का ऑफर मिलने पर क्या प्रतिक्रिया थी आपकी?

मुझे लगा कि इतने अच्छे मेकर्स और डायरेक्टर के साथ मौका मिल रहा है। हर किसी ऐक्टर का सपना होता है किसी ऐसी स्क्रिप्ट का हिस्सा होना। इतनी अच्छी कहानी, इतना अच्छा स्क्रीन प्ले, इतना अच्छा कॉन्सेप्ट, तो मैंने कुछ खास नहीं सोचा और हां बोल दिया। मेरा मानना है कि आपको जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए एक एक सीढ़ी चढ़नी पड़ती है। इसलिए मैं इस वेब सीरीज में एक करेक्टर प्ले करने को अपनी बहुत बड़ी उपलब्धि मानता हूं।

अपारशक्ति खुराना के बयान से छिड़ा स्त्री 2 का क्रेडिट वॉर

स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। साथ ही वीकडेज पर भी अच्छी खासी कमाई करती नजर आ रही है। फिल्म के निर्माता, निर्देशक और स्टारकास्ट इसकी सफलता का जश्न मना रहे हैं। हालांकि, जहां सक्सेस क्रेडिट की बात आती है तो वह सबसे ज्यादा श्रद्धा कपूर को मिल रहा है। फिल्म में श्रद्धा की स्क्रीन टाइम भी कम रही है। ऐसे में बीते दिन बिट्टू का किरदार निभाने वाले अभिनेता अपारशक्ति खुराना के बयान ने हर किसी को चौंका दिया। अपारशक्ति खुराना ने कहा, मैं इस पर कुछ नहीं बोलूंगा, क्योंकि बात खुलेगी तो दूर तक जाएगी। मैं कुछ बोलना नहीं चाहूंगा, ऑडियंस जो कहे वो सही है। वहीं, अब इस क्रेडिट वॉर पर निर्देशक अमर कौशिक ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अपने बयान से मामले को ठंडा करने की कोशिश करते नजर आए हैं। स्त्री 2 के निर्देशक अमर कौशिक इस बात पर जोर देते हैं कि कहानी को एक स्टार तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे सामूहिक प्रयास के रूप में सराहा जाना चाहिए। वहीं, फिल्म के मुख्य कलाकार को लेकर बहस तेज हो गई है, प्रशंसक उत्साहपूर्वक बहस कर रहे हैं कि क्या स्त्री 2 को राजकुमार राव या श्रद्धा कपूर की फिल्म के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए। इस पर कौशिक ने इसे महिला केंद्रित कहने से परहेज करते हुए कहा, मैं इसे ऐसा नहीं कहूंगा। कौशिक ने विस्तार से बताया, मैं इसे महिला केंद्रित फिल्म नहीं कहूंगा, यह उससे कहीं ज्यादा है। हां ये बात सच है कि फिल्म में महिला किरदार ज्यादा दमदार है। हमारी फिल्म में एक महिला पुरुषों को बचा रही है। स्त्री 2 का सितारा कौन है, इस सवाल को संबोधित करते हुए, कौशिक फिल्म के प्रचार कंटेंट की ओर इशारा करते हैं, जिसमें इसके कलाकारों का संतुलित प्रतिनिधित्व होता है। कौशिक इस बात पर जोर देते हैं, वे सभी पांच इस फिल्म के सितारे हैं, उनके किरदार फिल्म बनाते हैं। अन्य लोग आएंगे और जाएंगे, लेकिन ये पांच हमारी फिल्म की आत्मा होंगे। उनका कहना है कि फिल्म की सफलता पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जिसमें तकनीशियन भी शामिल हैं जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ काम किया है। कौशिक ने निष्कर्ष निकाला कि फिल्म से जुड़ा हर एक शख्स अपने आप में एक सितारा है, जो फिल्म निर्माण से जुड़ा हुआ है। उनका मानना है कि इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति के योगदान के बिना फिल्म अपनी वर्तमान सफलता हासिल नहीं कर पाती।

उम्र के हिसाब से काम करना पसंद करूंगी

औरा भटनागर अपने शो अनुपमा को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें आई थीं कि शो में लीप आने वाला है, जिसके बाद औरा भटनागर, रुपाली गांगुली और गौरव खन्ना शो छोड़ने वाले हैं। हालांकि, मेकर्स ने इन सभी खबरों को बेबुनियादी बताया है। औरा का कहना है कि अभी लीप का कोई प्लान नहीं है, लेकिन भविष्य में मेकर्स अगर कोई लव एंगल सीन करने को कहते हैं तो मैं शो छोड़ दूंगी। औरा का कहना है कि मैं अभी सिर्फ 13 साल की हूं और अपनी उम्र के हिसाब से रोल करना पसंद करूंगी। बता दें कि आध्या की भूमिका में औरा को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।

सरकार को गुमराह कर बिचौलियों को फायदा पहुंचा रहे अफसर : नाहटा

नोएडा (चेतना मंच)। शासन स्तर पर तीनों प्राधिकरणों में आठ हजार वर्गमीटर से बड़े औद्योगिक भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार से करने की तैयारी की जा रही है। छोटे भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी से करने की तैयारी है। अगर ऐसा किया गया तो इसका सबसे बुरा असर एमएसएमई श्रेणी के उद्यमियों पर पड़ेगा। एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने शासन के इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर औद्योगिक भूखंडों के आवंटन में फाइनेंसरों के बढ़ते दखल की शिकायत की है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरणों में बैठे अफसर सरकार को गुमराह कर बिचौलियों और फाइनेंसरों को फायदा पहुंचा रहे हैं। संस्था ने भूखंडों का आवंटन ड्रॉ के माध्यम से करने की मांग उठाई है।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने ई-नीलामी और साक्षात्कार से पूर्व में आवंटित औद्योगिक भूखंडों के मामलों की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग मुख्यमंत्री से की है। ई-नीलामी और साक्षात्कार से आवंटन का नियम लागू होने पर एमएसएमई श्रेणी के उद्यमी बड़े भूखंडों की योजनाओं का सीधा लाभ नहीं उठा पाएंगे और फाइनेंसरों का दखल और ज्यादा बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी देखी जा रही है। तीनों ही प्राधिकरण क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंडों की खरीद-बिक्री का खुला खेल चल रहा है। फाइनेंसर और बिचौलिए प्राधिकरण क्षेत्रों में एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। इनके द्वारा 100, 200,300, 400, 500, 800, 1000, 1800, 2000, 4000 सहित हर क्षेत्रफल के औद्योगिक भूखंड प्रत्येक सेक्टर में बिक्री के लिए उपलब्ध होने के संदेश भेजे जा रहे हैं। इस तरह के हालात देखकर प्रतीत होता है कि सरकार और प्राधिकरणों की गलत नीतियों और बिना शर्तों के भूखंडों का आवंटन होने की वजह से प्राधिकरण क्षेत्र में नए उद्योग नहीं लग पा रहे हैं और पुराने उद्योगों का विस्तार नहीं हो पा रहा है। औद्योगिक भूखंड फाइनेंसरों के पांव के बीच फुटबॉल की तरह घूम रहे हैं। फाइनेंसर डीलरों का दखल कम होने की बजाय बढ़ रहा है। भूखंडों का आवंटन कराने के बाद मुनाफा कमाने के लिए महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। ऐसे आवंटियों की उद्योग लगाने में किसी तरह की दिलचस्पी नहीं होती है। प्राधिकरण क्षेत्र में उद्योग लगाकर प्रदेश की आर्थिक तरक्की में जो उद्यमी योगदान देना चाहते हैं, उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

नोएडा मेट्रो के स्मार्ट कार्ड रिचार्ज होने में आया टेक्निकल फॉल्ट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा मेट्रो ट्रेन सुगम बनाने के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच एक्वा मेट्रो ट्रेन चलाई गई है। एक्वा मेट्रो इसके लिए बाकायदा नोएडा प्राधिकरण द्वारा काफी समय बाद करोड़ों रूपये खर्च करके एयरकंडीशनर स्काईवॉक बनाया जा रहा है। इसका 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। स्काईवॉक में 6 लगह ट्रैवलेटर लगाए जाएंगे। स्काईवॉक बनाने में 25 करोड़ की लागत आएगी। इसमें सिविल काम में करीब 11 करोड़ तथा विद्युत यांत्रिक के काम में 14 करोड़ रूपये की लागत अनुमानित है। करोड़ों खर्च करने के बाद भी एक्वा मेट्रो स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्री नोएडा मेट्रो स्टेशन में फैली अव्यवस्थाओं से नाराज है। बीते शनिवार (24 अगस्त 2024) से एक्वा मेट्रो लाइन के सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन पर तकनीकी खराबी के कारण स्मार्ट कार्ड रिचार्ज नहीं हो पा रहे हैं। एक्वा मेट्रो स्टेशन पर आने वाले सभी यात्रियों से टिकट लेकर यात्रा करने के लिए कहा जा रहा है।

के स्मार्ट कार्ड तकनीकी खराबी के कारण रिचार्ज नहीं हो पा रहे हैं। स्मार्ट कार्ड रिचार्ज न होने की वजह से हजारों दैनिक यात्रियों को लम्बी कतार में लगकर टिकट खरीदना पड़ रहा है। स्मार्ट कार्ड रिचार्ज नहीं होने से यात्री एक्वा मेट्रो प्रबंधन पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

5 दिनों बाद भी ठीक नहीं हुआ सिस्टम

नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच सफर को का संचालन नोएडा प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। एक्वा मेट्रो का संचालन शुरू होने के बाद से ही घाटे का सौदा साबित हो रही है। एक्वा मेट्रो लाइन के पहले स्टेशन सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन पर इसका असर भी दिखने लगा है। सबसे पहले मेट्रो की ब्लू लाइन (डीएमआरसी) के सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन को नोएडा मेट्रो के सेक्टर-51 एक्वा मेट्रो स्टेशन से इंटरलिंक नहीं किया गया है।

6 काउंटरों पर लगती है लम्बी कतार

नोएडा के सेक्टर-51 में एक्वा मेट्रो का मेन स्टेशन है और यहां टिकट के लिए केवल 6 काउंटर हैं। इनमें से 2 कांउटरों पर ऑन लाइन ट्रांजेक्शन की व्यवस्था है। स्मार्ट कार्डधारकों के साथ ही ग्रेटर नोएडा शहर तथा ग्रेटर नोएडा एक्सपो सेंटर में लगने वाली प्रदर्शनियों में जाने वाले यात्रियों की भीड़ के कारण इन सभी कांउटरों पर लम्बी कतारें लग जाती है।

सुबह के समय पीक ऑवर में यहां भारी भीड़ होती है और टिकट खरीदने में 15-20 मिनट लगते हैं। हालांकि ऑन लाइन टिकट के लिए भी स्टेशन पर अलग से 3 इलेक्ट्रोनिक मशीनें लगी हैं। इन पर भी यात्रियों की भीड़ होती है। एक्वा मेट्रो के अन्य स्टेशनों पर भी स्मार्ट कार्ड रिचार्ज करने में यात्रियों को दिक्कतें आ रही हैं। यात्रियों की इस परेशानी का हल एक्वा मेट्रो प्रबंधन इतने दिनों बाद भी निकाल नहीं पाया है।

फिर शुरू हुआ हनुमान चालीसा पारायण का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति द्वारा प्रथम हनुमान चालीसा पण्डितों के विधि विधान से दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मुक्तानन्द प्रधान के गांव में प्रारम्भ हुई। जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक यादव, समिति संस्थापक अनिल मास्टर, प्रदेश अध्यक्ष अंकित कौशिक, राष्ट्रीय समिति कोषाध्यक्ष राकेश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूलेराम यादव, नरेन्द्र यादव, ललित पाल, सुनीलदत्त शर्मा, रवि विधायक, गोपाल शर्मा, समिति सलाहकार मुकेश शर्मा खोड़ा, अध्यक्ष पश्चिम उ0 प्र00 दीपक शर्मा, विनोद शर्मा मंडल सचिव, राकेश प्रसाद एवं गांव के सामाजिक लोग और समिति के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जगदंबिका पाल से मिले मुस्लिम समाज के लोग

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी संस्था पसमांदा मुस्लिम समाज उत्थान समिति संघ के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक

व पूर्व सदस्य सेंट्रल वफ़्क़ कौंसिल मोहम्मद इरफ़ान अहमद व राष्ट्रीय अध्यक्ष एहसान अब्बासी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर संयुक्त संसदीय समिति के चेयरमैन सांसद जगदंबिका पाल से उनके निवास पर गहन चर्चा कर पिछड़े अति पिछड़े मुस्लिम समाज के उत्थान के लिए वक़्फ संशोधन से संबंधित अपना पक्ष रखा। चेयरमैन को वक्फ की हर समस्या से रूबरू कराया और कहा कि वक़्फ की जमीन या उसकी आमदनी से भारत के मुस्लिम समाज का प्रत्येक राज्यों में उत्थान करने के लिए जिलेवार समिति बनाई जाए।

प्रतिनिधिमंडल में संस्था के पदाधिकारी राष्ट्रीय संरक्षक सरफराज अली सदस्य हज कमेटी उत्तर प्रदेश, मोहम्मद सगीर प्रभारी दिल्ली, चौधरी शरीफ पूर्व सदस्य दिल्ली वक्फ बोर्ड, आजाद नुरानी प्रदेश अध्यक्ष झारखंड, इन्डिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर के इमाम हिफजुररहमान सहाब आदि मौजूद रहे।

डीएवी में पुबेरिटी पर कार्यशाला आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। हर बार की तरह इस बार भी डीएवी नोएडा की छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य एवं विकास को ध्यान मे रखते हुए 10 से 14 साल की छात्राओं के लिए पुबेरिटी पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे छात्राओं से उनके शारीरिक विकास से सम्बंधित अनेक ध्यान रखने योग्य बाते बताई गयी

डॉ अलौकिता वरिष्ठ स्त्री विशेषज्ञ द्वारा छात्राओं को समझाया कि प्यूबर्टी एक प्राकृतिक क्रिया है जिसमें एक बच्चे का शरीर युवा पुरुष या महिला में परिवर्तित हो जाता है। परन्तु कई बच्चे इस क्रिया से बिलकुल अनजान होते है जिससे उन्हें उस समय होने वाले बदलावों को अपनाने में दिक्कत होती है।

इसीलिए यह ज़रूरी है कि बच्चों को सही समय पर प्यूबर्टी में होने वाले परिवर्तन से अवगत कराया जाए ताकि वह सही तरह से उसे स्वीकार कर पाए और इसमें माँ-बाप एक एहम भूमिका निभाते हैं। डॉ. अलौकिता ने छात्राओं को एच पी वैक्सीन के बारे मे भी पूरी जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रा कांत ने छात्राओं से बात की व अध्यापिकाओं के इस अथक प्रयास की प्रशंसा की।

विहिप के 60 वर्ष पूरे होने पर स्थापना दिवस मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 22, जी ब्लॉक के मनकामेश्वर मंदिर प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में राम प्रखंड में 'षष्ठी पूर्ति वर्ष-स्थापना दिवस समारोह' मनाया गया।

सेक्टर-22 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मदन शर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। अध्यक्ष मदन शर्मा ने कहा कि सबको बिना किसी भेदभाव के सामाजिक समरसता बनाए रखना चाहिए. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज ज्योतिषी पंडित सुधाकर पति त्रिपाठी ने कहा कि समाज को एकजुट रखकर धर्मान्तरण रोकना जरूरी है। कार्यक्रम में अतिथि संघ के विभाग संयोजक शशिपाल शर्मा, मातृशक्ति कृष्णा शेखावत, सेक्टर 22 आर डब्ल्यू ए के महासचिव लक्ष्मण धस्माना, व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, रविंदर शेखावत, प्रतुल पांडे, पदमेश पाठक, विहिप के अधिकारी रोहित शर्मा, सुमित कुमार, पुनीत शर्मा, मंजू भरतवाल, ममता भारद्वाज, अन्नू व अन्य कार्यकर्ता और हिंदू समाज के भाइयों-बहनों ने भाग लिया।

कुलेसरा में एलएमसी की जमीन पर भू-माफिया ने किया कब्जा

चारदीवारी कर हो रही है प्लॉटिंग, पटवारी की सांठगांठ से फलफूल रहा गोरखधंधा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की तहसील सदर में स्थित कुलेसरा गांव में पटवारी तथा एक सिपाही की सांठगांठ से एक भू-माफिया एलएमसी की जमीन पर कब्जा करके प्लाटिंग काटकर उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के बुलडोजर को खुलेआम चुनौती दे रहा है।

जानकारी के मुताबिक गौतमबुद्धनगर जनपद की सदर तहसील के थाना क्षेत्र ईकोटेक-॥। में स्थित कुलेसरा गांव में एक भू-माफिया ने एलएमसी की जमीन के खसरा संख्या 375, 376 तथा 475 पर स्थित करीब 6 बीघा जमीन पर अतिक्रमण करके कब्जा कर लिया है। उस जमीन पर भू-माफिया चारदीवारी करके उस पर प्लाटिंग काट कर बेच रहा है। अवैध कब्जों के लिए कुख्यात भू माफिया योगेश स्थानीय पटवारी तथा सिपाही के साथ मिलकर इस गोरखधंधे को अंजाम दे रहा है।

स्थानीय पुलिस-प्रशासन इस जमीन पर भू-माफिया मूकदर्शक बना इस अवैध कब्जे को मौन सहमति देता प्रतीत हो रहा है।

बताया जाता है कि इटावा निवासी सिपाही पहले कुलेसरा पुलिस चौकी में तैनात था तथा वर्तमान में मुजफ्फरनगर जिले में तैनात है। इस अवैध कब्जे में स्थानीय पटवारी की बड़ी भूमिका बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पटवारी, माफिया तथा सिपाही सरकारी जमीन को बेचकर आपस में ही करोड़ों की रकम का बंदरबांट कर रहे हैं।

कुछ स्थानीय लोगों ने तहसील सदर में इसकी शिकायत भी की लेकिन सभी आंखों में पट्टी बांधे तथा कानों में तेल डालें इस गोरखधंधे को संरक्षण देते साबित हो रहे हैं। लोगों को उम्मीद है कि इस गंभीर मामले में अब मुख्यमंत्री कार्यालय ही हस्तक्षेप करेगा तभी कोई कड़ा कदम उठ सकेगा।